दैनिक

नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

K ✌ K

RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-31 अंक-25 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शनिवार 01 मार्च 2025 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

भारत-चीन सीमा के पास हिमस्खलन, 57 मजदूर दबे, बचाव कार्य जारी

चमोली (ए.) । उत्तराखंड के चमोली जिले में भारत-चीन (तिब्बत) सीमा क्षेत्र में माणा कैंप के निकट शुक्रवार को भारी हिमस्खलन हुआ है। इस घटना में निर्माण कार्य में जुटे 57 मजदूर बर्फ के नीचे दब गए हैं। गढ़वाल रेंज के आईजी राजीव स्वरूप ने जानकारी दी है कि अब तक 10 मजदूरों को सुरक्षित निकाल लिया गया है, जबकि तीन अन्य को भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सेना के जवानों की मदद से सेना अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। शेष मजदूरों की तलाश के लिए बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी है।अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में खराब मौसम के कारण संचार सेवाएं बाधित हो गई हैं, जिससे बचाव कार्यों में कठिनाई आ रही है। चमोली के जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बताया कि हिमस्खलन माणा और माणा पास के बीच हुआ है। उन्होंने कहा कि वायुसेना से मदद के लिए अनुरोध किया गया है और सेना, आईटीबीपी के साथ राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमें भी बचाव कार्य में जुट गई हैं। एनडीआरएफ की अतिरिक्त टीमों को भी घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया गया है।स्थानीय सूत्रों के अनुसार, बदरीनाथ धाम, हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी, रुद्रनाथ, लाल माटी, नंदा घुंघटी, औली, गोरसों और नीती व माणा घाटियों सहित ऊंचाई वाले इलाकों में पिछले तीन दिनों से लगातार बर्फबारी हो रही है। भारी बर्फबारी के कारण ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फ की मोटी परत जम गई है, जिससे हिमस्खलन का खतरा और बढ़ गया था।प्रशासन और बचाव दल दबे हुए मजदूरों को सुरक्षित निकालने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। बचाव कार्यों में मौसम और संचार सेवाओं की बाधा एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

पंजाब छोड़ दो या फिर नशे का कारोबार, नशा तस्करों को मान सरकार की दो टूक

चंडीगढ़ (आरएनएस)। नशे के तस्करों के खिलाफ पंजाब सरकार हर रोज सख्त कदम उठा रही है। इसी कड़ी में आज मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई में उच्च स्तरीय बैठक हुई।

बैठक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा, पंजाब आप प्रधान अमन अरोड़ा ने नशा तस्करों को हिदायत दी कि या तो वह पंजाब छोड़ दें या नशे के कारोबार को छोड़ दें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में।

पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड का जहरीला कचरा जलाने की प्रक्रिया शुरू

-पहले ट्रायल में 10 टन कचरा हो रहा नष्ट

पीथमपुर,(ए)। यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के जहरीले कचरे को रामकी एनवायरो फैक्ट्री में जलाने का काम शुरू कर दिया गया है। पहले ट्रायल रन में 10 टन कचरा नष्ट किया जा रहा है। इस प्रक्रिया के दौरान

मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी और अन्य प्रशासनिक अफसर मौके पर मौजूद हैं। इससे पहले पीथमपुर की फैक्ट्री परिसर के अंदर सुरक्षा के लिए स्पेशल आर्म्ड फोर्स (एसएएफ) के 130 जवान तैनात किए गए हैं। वहीं फैक्ट्री परिसर के बाहर डीएसपी रैंक के अधिकारी सुरक्षा संभाले हुए हैं। आसपास के तमाम रास्तों को सील कर दिया गया है, और बिना अनुमति किसी को भी प्रवेश की इजाजत नहीं है। इसके साथ ही पीथमपुर शहर में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।इंदौर देहात और धार जिले के 24 थानों के पुलिसकर्मी तैनात हैं।

के.ए. पॉल और सीएम स्टालिन ने भाजपा की परिसीमन नीति के खिलाफ हुए एकजुट

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में लोकतंत्र और संघीय ढांचे पर मंडरा रहे खतरे को देखते हुए प्रजा शांति पार्टी के अध्यक्ष डॉ. के. ए. पॉल और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने भाजपा सरकार की परिसीमन नीति के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का ऐलान किया है। उनका कहना है कि यह योजना दक्षिण भारतीय राज्यों की राजनीतिक आवाज दबाने और उन्हें हाशिए पर धकेलने की साजिश है। उन्होंने इसे लोकतंत्र पर सीधा हमला बताते हुए विपक्षी दलों से अपील की है कि वे इससे पहले कि देर हो जाए, एकजुट होकर विरोध दर्ज करें। अगर भाजपा की प्रस्तावित परिसीमन योजना लागू होती है, तो देश की राजनीतिक संरचना असंतुलित हो सकती है। यह योजना कुछ क्षेत्रों का प्रभाव बढ़ाने और दूसरों की राजनीतिक भागीदारी सीमित करने की दिशा में बढ़ रही है।

बुंदेलखंड वीरों की धरती, वीरों के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता

-2600 रुपए प्रति क्विंटल एमएसपी पर गेहूं उपार्जित करेगी सरकार

-सागर-दमोह रोड को फोर लाइन बनाया जाएगा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सागर के गढ़ाकोटा में तीन दिवसीय सांस्कृतिक रहस'' मेले में आयोजित किसान महा सम्मेलन में कहा कि बुन्देलखण्ड वीरों की धरती है। वीरों के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने किसानों के लिए बड़ी सौगात देते हुए कहा कि सरकार अब किसान भाईयों से 2600 रुपए प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदेगी। उन्होंने कहा कि सागर-दमोह रोड को फोरलेन बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंच से 5 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के हितलाभ भी वितरित किये।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा सीमा पर जवान और खेत पर किसान को सम्मान देने का कार्य किया जा रहा है। किसान की आय दोगुनी करने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ वर्षों में बुंदेलखंड की लाखों हैक्टेयर भूमि सिंचित होगी। उन्होंने कहा कि किसान अपनी जमीन बचाकर रखें, उन्हें उनकी जमीन का पूरा लाभ मिलेगा और उनकी कृषि समृद्ध होगी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विधायक एवं पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव के किये कार्यों का प्रभाव है कि काम के बल पर ही आज वो लगातार 9 बार से अपराजेय राजनेता बने हुए हैं। सरकार प्रदेश में बहनों को सरकारी नौकरी में 35 प्रतिशत आरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि जहाँ सरकार बहनों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है, वहीं पूर्व मंत्री श्री भार्गव के द्वारा 21 हजार से अधिक बेटियों की शादी कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभी तक मैंने 9 रस ही देखे थे आज मैंने 10वां रस भी देख लिया। इस रहस मेला के आनंद में जो 10वां रस मिला है वह अद्भुत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार इस वर्ष किसान भाइयों का गेहूं 2600 रुपए प्रति क्विंटल खरीदेगी और अगले वर्ष यह बढ़ाकर 2700 रुपए प्रति क्विंटल खरीदने का मैं वादा करता हूं। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार चावल पर 2000 रुपए प्रति हैक्टेयर बोनस दिया जाएगा। इसी प्रकार दूध का उत्पादन करने वालों को भी बोनस दिया जाएगा।

नशे में बच्ची से किया रेप, पीटा और दीवार पर फेंका; मासूम के निजी अंगों में लगे 28 टांके

शिवपुरी (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ एक 5 वर्षीय मासूम बच्ची पड़ोसी किशोर की हैवानियत का शिकार हुई है। आरोपी ने न केवल बच्ची के साथ दुष्कर्म किया, बल्कि उसे पीटा और दीवार पर भी फेंका जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। बच्ची की हालत नाजुक बनी हुई है और वह अस्पताल में जीवन और मृत्यु के बीच जूझ रही है। पुलिस ने आरोपी किशोर को गिरफ्तार कर लिया है।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह भयावह घटना शिवपुरी जिले में घटी। पीड़िता, जिसकी उम्र मात्र पांच वर्ष है, पर 17 वर्षीय पड़ोसी किशोर ने हमला किया। बच्ची को गंभीर हालत में ग्वालियर के कमला राजा अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां वह आईसीयू में चिकित्सकों की निगरानी में है।चिकित्सा रिपोर्टों के अनुसार, बच्ची केनिजी अंगों पर 28 टांके लगाए गए हैं। गंभीर आंतरिक चोटों के कारण उसे कोलोस्टॉमी ऑपरेशन से भी गुजरना पड़ा है। मेडिकल जांच में बच्ची के गुप्तांगों और चेहरे पर दांत से काटने के गहरे निशान पाए गए हैं, जो हमले की क्रूरता को दर्शाते हैं। अस्पताल में लाए जाने के समय बच्ची की स्थिति बेहद गंभीर थी।डॉक्टरों ने बताया है कि हमले में पीड़िता के निजी अंगों को अत्यधिक क्षति पहुंची थी।

संभल में जामा मस्जिद की रंगाई-पुताई होगी या नहीं? हाईकोर्ट ने लिया फैसला

प्रयागराज (आरएनएस)। संभल में स्थित जामा मस्जिद की केवल साफ-सफाई की जाएगी; सफेदी और मरम्मत नहीं की जाएंगी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने फोटोग्राफ सहित रिपोर्ट दाखिल करते हुए कहा कि सफेदी की आवश्यकता नहीं है। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने याचिकाकर्ता को रिपोर्ट पर जवाब दाखिल करने का समय दिया है और एएसआई से सोमवार तक हलफनामे सहित रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। अगली सुनवाई 5 मार्च को तय की गई है।एएसआई ने बताया कि संरक्षित स्थल पर सफेदी या मरम्मत की अनुमति नहीं दी जा सकती। मंदिर पक्ष ने सफाई मरम्मत की आड़ में साक्ष्यों में छेड़छाड़ की आशंका जताते हुए इस प्रक्रिया का विरोध किया था। पूर्व में, एएसआई ने जामा मस्जिद इंतेजामिया कमेटी की अर्जी खारिज कर दी थी, जिसके बाद कमेटी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने गुरुवार को एएसआई की तीन सदस्यीय समिति गठित कर शुक्रवार को रिपोर्ट मांगी थी।

अधिकारी और रिश्वत में उनके सहयोगी ड्राइवर को 40 हजार लेते लोकायुक्त ने रंगे हाथों धर दबोचा

जबलपुर/सिवनी(आरएनएस)। आवेदक द्वारा पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त जबलपुर को शिकायत की गई। आदर्श स्वसहायता के अंतर्गत धान खरीदी केंद्र एवं उचित मूल्य की दुकान कारीरात में संचालन किया जाता है जिसमें धान खरीदी के 23 000 एवं दुकान संचालन में घटती राशन की पूर्ति के लिए 20000 कुल 43 हजार रूपये की मांग की जा रही थी जिसमें आज 40000 की रिश्वत लेते आरोपी गण को कार्यालय उपसंचालक सामाजिक न्याय जिला सिवनी में रंगे हाथों पकड़ा गया।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नमक हराम की राजनीति करती हैं : अधीर रंजन चौधरी

मुर्शिदाबाद(आरएनएस)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता का कहना है कि सीएम ममता पश्चिम बंगाल की राजनीति में नमक हराम का ज्वलंत उदाहरण हैं।

अधीर रंजन चौधरी ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि कांग्रेस की कृपा से 2011 में पश्चिम बंगाल में तृणमूल सरकार बनी जिसे नमक हराम कहते हैं। कोई ऐसा व्यक्ति जो निजी लाभ के लिए किसी स्थिति का फायदा उठाता है, लेकिन बाद में उन लोगों को छोड़ देता है जिन्होंने उनकी मदद की थी। इसे हम नमक हराम गिरी कहते हैं।

कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि मैं ये बात गलत भाषा में नहीं कर रहा हूं; मैं ये बात शुद्ध भाषा में कह रहा हूं। ममता बनर्जी बंगाली राजनीति में नमक हराम का एक ज्वलंत उदाहरण हैं। 2011 में सोनिया गांधी की मंजूरी और प्रणब मुखर्जी जैसे बड़े व्यक्ति के समर्थन के बिना, वह सत्ता में नहीं आ सकती थीं। कांग्रेस ने उन्हें वह सीट दी जो वह चाहती थीं क्योंकि हम उन्हें सत्ता में लाना चाहते थे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नमक हराम की राजनीति करती हैं।बता दें कि अधीर रंजन चौधरी सीएम ममता बनर्जी पर तीखा हमला करते रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान कहा था कि मुझे सीएम ममता पर भरोसा नहीं है।

कर्नाटक सरकार ने बर्ड फ्लू को रोकने के लिए कदम उठाए, फार्म में मुर्गियों को मारने का आदेश दिया

चिक्काबल्लापुर (आरएनएस)। बेंगलुरू के निकट स्थित चिक्कबल्लापुर जिले में बर्ड फ्लू के प्रकोप को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने कड़े कदम उठाए हैं। राज्य पशुपालन और पशु चिकित्सा विभाग ने शुक्रवार को चिक्कबल्लापुर के वरदाहल्ली गांव में एक पोल्ट्री फार्म में 350 मुर्गियों को मारने का आदेश दिया है। जिला प्रशासन हाई अलर्ट पर है क्योंकि वरदहल्ली में मुर्गियों में एच5एन1 वायरस पाया गया है। डिप्टी कमिश्नर पी.एन. रविंद्र की अगुवाई में जिला प्रशासन ने आपात बैठक की और गांव से मुर्गियों के बाहर जाने पर रोक लगा दी गई। गांव की सभी सड़कों पर बैरिकेड लगाए गए हैं और गाड़ियों की कड़ी निगरानी की जा रही है ताकि मुर्गियों को बाहर न ले जाया जा सके। शुरुआती जांच में पाया गया कि वरदाहल्ली के निवासी द्यामप्पा के घर पर 28 मुर्गियां मरी हुई मिली। गांव के अन्य घरों में भी मुर्गियों की मौत हो रही है। प्रशासन ने एक पोल्ट्री फार्म के तीन डेड चिकन के सैंपल जांच के लिए बेंगलुरू की सेंट्रल लैब भेजे। प्रयोगशाला परीक्षणों से सैंपल में एवियन इन्फ्लूएंजा की पुष्टि हुई। इसके बाद पोल्ट्री फार्म की सभी मुर्गियों को मारने का आदेश जारी कर दिया गया। अधिकारियों ने गांव में घर-घर जाकर सर्वे किया और पूरे इलाके में सोडियम हाइपोक्लोराइट का छिड़काव किया। स्वास्थ्य विभाग भी ग्रामीणों की सेहत पर नजर रख रहा है। इस बीच, खबर मिली है कि दो दिन पहले वरदाहल्ली के पोल्ट्री फार्म से लगभग 10,000 मुर्गियों को बेंगलुरू भेजा गया था, जहां इन्हें मीट की दुकानों और होटलों में बेचा गया हो सकता है। अधिकारी इस मामले की जांच कर रहे हैं और विक्रेताओं को सतर्क कर रहे हैं कि वे वरदाहल्ली से लाए गए मुर्गों की बिक्री न करें। आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में एवियन इन्फ्लूएंजा फैलने के बाद कर्नाटक सरकार ने सीमा पर निगरानी बढ़ा दी है। कर्नाटक पहले दावा कर चुका था कि राज्य में बर्ड फ्लू का कोई मामला नहीं है और वे पूरी सतर्कता बरत रहे हैं। राज्य में हर महीने करीब चार करोड़ ब्रॉयलर चिकन का उत्पादन होता है और यहां 73 ब्रीडर व 20,000 पोल्ट्री किसान हैं। सीमा से सटे बेलगावी जिले में प्रशासन ने चिकन सैंपल की जांच शुरू कर दी है और महाराष्ट्र बॉर्डर पर चेकपोस्ट लगाए हैं।

समाचार पत्र दैनिक क्षितिज किरण नर्मदापुरम् (होशंगाबाद) के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण

घोषणा

फार्म 4(नियम 8 देखिये)

1. प्रकाशन स्थल	:	शिवरानी भवन क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम् (होशंगाबाद) (मप्र)
2. प्रकाशन अवधि	:	दैनिक
3. मुद्रक का नाम	:	कृष्णकांत सक्सेना
नागरिकता	:	भारतीय
पता	:	22,विचित्र विला प्रोफेसर कालोनी भोपाल म.प्र.
4. प्रकाशक का नाम	:	कृष्णकांत सक्सेना
नागरिकता	:	भारतीय
पता	:	22,विचित्र विला प्रोफेसर कालोनी भोपाल मप्र
5. सम्पादक का नाम	:	कृष्णकांत सक्सेना
नागरिकता	:	भारतीय
पता	:	22,विचित्र विला प्रोफेसर कालोनी भोपाल म.प्र.
6. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हो तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत के अधिक के साझेदार या हिस्सेदार	:	नहीं

मैं कृष्णकांत सक्सेना, ऐतद् घोषणा करता हूँ कि मेरी अधिकृत जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य है।

दिनांकः- 01 मार्च 2025

प्रकाशक के हस्ताक्षर
कृष्णकांत सक्सेना

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 छोटे उद्योगों के लिए बड़े अवसर तैयार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मेड इन एमपी को वैश्विक पहचान, एमएसएमई को मिली नई दिशा

भोपाल (निप्र)। डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जीआईएस भोपाल से एमएसएमई क्षेत्र में मौजूद संभावनाओं को और अधिक ऊचाईयाँ मिलेगी। इससे राज्य के युवाओं के उद्यमी बनने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एमएसएमई क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए पीएम-मुद्रा, पीएम-विश्वकर्मा और एमएसएमई क्रेडिट गारंटी योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाएँ पहले ही लांच की है। जीआईएस भोपाल में कई एमएसएमई कंपनियों से 21 हजार करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव आए। इनसे राज्य में 1.3 लाख युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे, साथ ऐसे युवाओं को उद्यमी बनने के अवसर मिलेंगे जो अब तक नौकरी की तलाश में थे।

व्यापक बैठकें और तकनीकी नवाचार

जीआईएस भोपाल में 600 से अधिक बी-2-जी बैठकें और 5 हजार से अधिक बी-2-बी बैठकें आयोजित की गईं। इनमें उद्योगपतियों, निवेशकों और एमएसएमई कंपनियों ने भाग लिया। पहली बार एआई-आधारित बिजनेस मैच-मेकिंग टूल का उपयोग किया गया, जिससे सही साझेदारों को जोड़ने में सहायता मिली। इन बैठकों ने मध्यप्रदेश को एक वैश्विक औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एमएसएमई क्षेत्र में राज्य सरकार की विशेष पहल

मध्यप्रदेश सरकार ने एमएसएमई क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए कई योजनाएं लागू की हैं। हाल ही में कैबिनेट में नई एमएसएमई पॉलिसी मंजूर की गई। नई एमएसएमई नीति में अविकसित भूमि का लघु, मध्यम और सूक्ष्म इकाइयों को आवंटन, फ्लैट आधारित उद्योग लगाने की अनुमति, औद्योगिक क्षेत्रों का विकास और रख-रखाव उद्योग संघों के माध्यम से, 53 हजार करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य, जिससे 86 लाख रोजगार सृजित होने की संभावना है। नई नीति में औद्योगिक भूमि आवंटन की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए ई-बिडिंग प्रणाली लागू की गई।प्रदेश में एमएसएमई इकाइयों को आसान वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए नई योजनाएं शुरू की गई हैं। टैक्स इंसेंटिव, लैंड अलॉटमेंट और ईज-ऑफ-डूइंग बिजनेस में सुधार को ध्यान में रखकर एमएसएमई उद्यमियों की मदद के लिए नीति बनाई गई है। सेक्टर में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को बढ़ावा देने के लिए एआई, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और ऑटोमेशन को अपनाने की दिशा में पहल की जा रही है। नई पॉलिसी में राज्य सरकार एमएसएमई के उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुँचाने के लिए विशेष योजनाओं पर कार्य कर रही है।

प्रमुख निवेशक कंपनियां

जीआईएस-भोपाल में कई एमएसएमई कंपनियों ने राज्य में निवेश के लिए रुचि दिखाई, जिनमें प्रमुख रूप से वकी प्राइवेट लिमिटेड (इंदौर), भगवती तीरथ पॉलि कंटेनर्स इंडस्ट्री, इवेट लिमिटेड (भोपाल), आहाराम मिल्स प्राइवेट लिमिटेड (नीमच), डीटवी एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (इंदौर) और ईजीटेक एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड (भोपाल) शामिल हैं।

भविष्य की संभावनाएं

राज्य सरकार ने 2025 तक एमएसएमई क्षेत्र में और अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए विशेष प्रोत्साहन योजनाएं लागू करने की योजना बनाई है। इसके अलावा, एमएसएमई सेक्टर के लिए समर्पित इनक्यूबेशन सेंटर्स और इंडस्ट्रियल क्लस्टर विकसित किए जाएंगे।

स्थानीय उत्पादों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए मेड इन एमपी अभियान को भी बढ़ावा दिया जाएगा। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट भोपाल से मध्यप्रदेश को एमएसएमई के लिए एक प्रमुख इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन बनाने में मदद मिलेगी और राज्य की आर्थिक प्रगति को नई गति मिलेगी।

चुनाव के डर में कई निर्णय नहीं हो पाते-केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह

भोपाल (आरएनएस)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि बार-बार चुनावों के कारण कई फैसले प्रभावित होते हैं। गवर्नेंस प्रभावित होती है, विकास रुक जाता है पैसे की बर्बादी होती है। कई बार तो वोट दिलाऊ फैसले भी करने पड़ते हैं। शिवराज ने भोपाल के एक प्राइवेट कॉलेज में आयोजित 'एक देश-एक चुनाव' कार्यक्रम में स्टूडेंट्स के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कहा अपने देश में और कुछ हो या न हो लेकिन सारे राजनीतिक दल पांचों साल, 12 महीने, हर हफ्ते, 24 घंटे एक ही तैयारी करते हैं, वो है अगला चुनाव। उसी तैयारी में लगे रहते हैं।

शिवराज ने कहा कि अब पिछले साल नवंबर-दिसंबर में एमपी, छत्तीसगढ़, राजस्थान विधानसभा चुनाव हुए। विधानसभा चुनाव की थकान उतरी नहीं थी कि 4 महीने बाद ही लोकसभा चुनाव आ गया। विधानसभा चुनाव में 6 महीने तो कुछ हुआ ही नहीं था।

आचार संहिता, कोड ऑफ कंडक्ट के कारण विकास के काम ठप थे। वो चुनाव हुए और चार महीने बाद फिर लोकसभा के चुनाव आ गए। चार-छह महीने नहीं गुजरे कि फिर हरियाणा, जम्मू कश्मीर, झारखंड, महाराष्ट्र के चुनाव आ गए और नेता फिर चुनाव में भिड़ गए।

शिवराज ने कहा, अभी एक चुनाव निपटा नहीं कि दिल्ली का दंगल शुरू हो गया। दिल्ली के चुनाव खत्म नहीं हुए कि हम लोगों ने बिहार के लिए कमर कस ली। चलो बिहार। और कोई काम हो न हो, चौबीसों घंटे चुनाव की तैयारी। ये हमेशा होने वाले चुनाव देश की प्रगति और विकास में कितने बाधक हैं। एक तो सभी की एनर्जी लगती है, जिसमें प्रधानमंत्री भी चुनाव की तैयारी में लगते हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा, चुनाव में पीएम, सीएम सब लगे रहे। केन्द्रीय मंत्री मुझे बनाया गया और कहा गया झारखंड के चुनाव में जाओ। तीन महीने वहीं पड़ा रहा। कृषि की तरफ ध्यान ही नहीं रहा। फोकस चुनाव पर हो गया। मेरे जैसे कितने लोग लगे रहे। ये केवल एक पार्टी में नहीं सभी पार्टियों के मंत्री, मुख्यमंत्री, विधायक सांसद लगे रहते हैं।

शिवराज ने कहा- अलग-अलग चुनाव क्यों होने चाहिए? हर चार-छह महीने में चुनाव हो रहे हैं। गवर्नेंस प्रभावित होता है। धन का अपव्यय होता है। असल में तो औपचारिक खर्चा दिखता है, पीछे से और कितना खर्चा होता है। चुनाव आयोग ने इस चुनाव में गाड़ियों से पैसे पकड़े थे। एक तरफ धन का अपव्यय होता है, दूसरी तरफ सरकारें लॉन्ग टर्म प्लानिंग नहीं कर पातीं।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा- प्रधानमंत्री मोदी ने कई बड़े और कड़े फैसले लिए हैं। लेकिन, कई बार चुनाव के डर में कई ऐसे फैसले नहीं हो पाते कि वोट बिगड़ गया और नुकसान हो गया, तो वोट बचाओ।

नेशनल लोक अदालत 8 मार्च को

बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरण में करायें समझौता : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

भोपाल(आरएनएस)। आगामी 08 मार्च 2025 (शनिवार) को नेशनल लोक अदालत में बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के

प्रकरण को आपसी समझौतो से निराकृत किया जाएगा। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विद्युत अधिनियम 2003 धारा 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए विद्युत उपभोक्ताओं एवं उपयोगकर्ताओं से अपील की है कि वे अप्रिय कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए अदालत में समझौता करने के लिए संबंधित बिजली कार्यालय से संपर्क करें।

दाऊदी बोहरा समुदाय ने शुक्रवार को रखा पहला रोजा

-महीने भर जारी रहेगा इबादतो का सिलसिला

भोपाल(ए)। राजधानी भोपाल में इस्लामिक कैलेंडर के पाक नौवें महीने रमजान का आगाज शुक्रवार से हो गया है। दाऊदी बोहरा समुदाय ने इस दिन अपना पहला रोजा रखा। समाज के मीडिया प्रभारी इब्राहिम अली दाऊदी ने ये भी बताया के यह पाक महीना इबादतो के ऐतबार से मुस्लिम समुदाय के लिए बेहद अहम है। रमजान के दौरान समुदाय के लोग सूर्योदय से सूर्यास्त तक रोजा रखते है। रोजे के लिये सुबह होने से पहले सहरी करते हैं। इसके बाद

कुछ भी नहीं खाते-पीते हैं, सूर्यास्त के बाद खजूर और दूध या चाय के साथ इफ्तार करते हैं। उन्होनें आगे बताया की इस पाक महीने में लोग मस्जिदों में अल्लाह की इबादत करते हैं। कुरान का पाठ करते हैं। रमजान आत्म-संयम, त्याग और दान का प्रतीक है। इस दौरान लोग

गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करते हैं। जकात और फितरा देते हैं। इस महीने में की जाने वाली एक-एक नेकी पर 70 गुना अधिक सवाब मिलता है। जुमा के दिन पहले रोजे पर हैदरी मस्जिद में भोपाल के अमिल जूजर साहब ने नमाज अदा कराई।

मप्र हवाओं के रुख में बदलने से छाएंगे बादल, अगले 2-3 दिनों तक बढ़ेगा तापमान

भोपाल (ए.)। अलग-अलग स्थानों पर बनी मौसम प्रणालियों के प्रभाव से हवाओं का रुख बदल गया है। इस वजह से दिन एवं रात के तापमान में बढ़ोतरी होने लगी है। उधर हवाओं के साथ अरब सागर से नमी आने के कारण कहीं-कहीं आंशिक बादल भी छा रहे हैं। मौसम विज्ञानियों के अनुसार अभी चार-पांच दिन तक मौसम शुष्क ही रहने के आसार हैं। उधर गुरुवार को प्रदेश में रात का सबसे कम 11.3 डिग्री सेल्सियस तापमान उमरिया में दर्ज किया गया। हिल स्टेशन पचमढ़ी में रात का पारा 10.2 डिग्री सेल्सियस पर रहा। दिन का सबसे अधिक 35.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दमोह में रिकार्ड किया गया।दो मार्च को नए पश्चिमी विक्षोभ मौसम विज्ञान केंद्र के विज्ञानी अविनाश श्रीवास्तव ने बताया कि वर्तमान में पाकिस्तान के पास एक पश्चिमी विक्षोभ द्रोणिका के रूप में बना हुआ है। इसके प्रभाव से उत्तर-पश्चिमी राजस्थान और उसके आसपास एक प्रेरित चक्रवात बन गया है। इस प्रेरित चक्रवात से लेकर अरब सागर तक एक द्रोणिका बनी हुई है। इसके अतिरिक्त दो मार्च को एक नए पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत क्षेत्र में पहुंचने की संभावना है।

प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में जरूरतमंदों को रियायती दर पर भोजन की सुविधा

-अब तक कुल 4 करोड़ से अधिक भोजन थाली कराई गई उपलब्ध

भोपाल (आरएनएस)। प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में व्यवसाय और श्रम कार्य के लिये ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले गरीब परिवारों को नगरीय एवं आवास विभाग द्वारा रियायती दर मात्र 5 रुपये में थाली उपलब्ध करायी जा रही है। प्रदेश में संचालित दीनदयाल रसोई योजना का 3 चरणों में विस्तार किया गया है। योजना में अब तक 4 करोड़ से अधिक भोजन थाली जरूरतमंदों को उपलब्ध कराई जा चुकी है।

दिव्यांगजनों के लिये 7 और 8 मार्च को आयोजित होगी सुगम्य यात्रा

भोपाल(आरएनएस)। दिव्यांगजनों को सार्वजनिक स्थानों, शासकीय कार्यालयों, मॉल और सिनोमाघरों में उनकी सुविधानुसार किस तरह का सुगम्य वातावरण होना चाहिए। प्रदेश के प्रत्येक जिले में 7 और 8 मार्च 2025 को जिला कलेक्टर्स के सहयोग से दिव्यांगजन की सुगम्य यात्रा का आयोजन किया जायेगा। प्रत्येक जिले में चुनिंदा दिव्यांगजन को शासन व्यवस्था के अनुसार वाहन उपलब्ध कराकर सार्वजनिक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा।

स्कूल बस ने कोचिंग से लौट रही बीए की छात्राओं को मारी जोरदार टक्कर, एक की मौत

-दूसरी को आई गंभीर चोट

भोपाल(ए)। टीटी नगर इलाके में पंचशील नगर पुलिया के पास एक तेज रफ्तार स्कूल बस ने एक्टिवा सवार दो बीए की छात्राओं को जोरदार टक्कर मार

दी। हादसे में एक छात्रा की मौत हो गई, जबकि दूसरी को गंभीर चोट आई है। घटना गुरुवार दोपहर करीब 3.30 बजे की है। दोनों सहेलियां कंप्यूटर कोचिंग से लौट रही थी। पुलिस ने आरोपी चालक को हिरासत में लेकर बस को जब्त कर लिया है। थाना पुलिस ने बताया कि महिमा प्रजापति पुत्री राजेश (20) बरखेड़ा पठानी में रहती थी। वह बीएचईएल स्कूल से 12वीं पास करने के बाद एमएलबी कॉलेज से बीए सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रही थी। इसके साथ ही हर्षवर्धन नगर में कंप्यूटर सेंटर से सोशल मीडिया एडवरटाइजिंग का कोर्स भी कर रही थी। गुरुवार को दोपहर करीब 3.30 बजे महिमा अपने सहेली इति उपाध्याय के साथ एक्टिवा से कंप्यूटर सेंटर से लौट रही थी।

गंदगी फैलाने वाले के विरूद्ध 44 हजार 250 का स्पॉट फाईन

भोपाल(आरएनएस)।नगर निगम द्वारा साफ-सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने वालों व वायु गुणवत्ता को प्रभावित करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी तारतम्य में निगम के जोन क्रमांक 04 के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने काजी कैम्प डीआईजी बंगला क्षेत्र में मेट्रो रेल हेतु लगाए गए बैरिकेट्स में अस्पताल का कचरा फैंकने वाले मुस्कान चिल्ड्रन एंड जनरल अस्पताल के संचालक से 02 हजार रूपये का स्पॉट फाईन वसूला साथ ही अन्य जोन क्षेत्रों में निगम के दलों ने 318 प्रकरणों में 44 हजार 250 रूपये स्पॉट फाईन के रूप में वसूल किए। निगम अमले ने सीएंडडी वेस्ट के 03 प्रकरणों में 02 हजार 200 रूपये की राशि स्पॉट फाईन/जुर्माने के रूप में वसूल की। निगम प्रषासन ने भवन निर्माताओं से अपील की है कि वह भवन निर्माण के समय ग्रीन नेट का पूरी तरह उपयोग करें और शहर के वायु गुणवत्ता में सुधार हेतु सहयोग करें अन्यथा निगम प्रषासन द्वारा निरंतर सख्त कार्यवाही की जायेगी। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देष पर निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने गुरूवार को जोन क्षेत्रों में सीएंडडी वेस्ट व भवन निर्माण सामग्री सड़कों, सार्वजनिक स्थलों पर फैलाने वालों तथा निर्माणाधीन भवनों पर ग्रीन नेट न लगाने वालों के विरूद्ध अभियान के तहत कार्यवाही की। निगम अमले ने सड़कों पर कचरा, गंदगी फैलाने, दो डस्टबिन न रखने, कचरा पृथक-पृथक न रखने, खुले स्थानों पर मूत्र विसर्जित करने, प्रतिबंधित पालीथीन का उपयोग करने एवं सम्पत्ति विरूपण करने सहित अन्य प्रकार से साफ-सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने व शहर की सुंदरता को बिगाडने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की और सभी प्रकार के प्रकरणों में स्पॉट फाईन/जुर्माने की राषि वसूल की। निगम के अमले ने सीएंडडी वेस्ट सड़कों पर फैलाने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए जोन क्रमांक 10 के अमले ने 01 प्रकरण में 02 हजार रूपये, जोन क्रमांक 16 के अमले ने 02 प्रकरण में 200 रूपये सहित कुल 03 प्रकरणों में 02 हजार 200 रूपये की राषि स्पॉट फाईन/जुर्माने के रूप में वसूल की।निगम प्रषासन ने भवन निर्माताओं से अपील की है कि वह भवन निर्माण के समय ग्रीन नेट का उपयोग पूरी तरह से सुनिष्चित करें और शहर में वायु गुणवत्ता सुधार हेतु निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों में सहयोग करें अन्यथा निगम प्रषासन द्वारा निरंतर सख्त कार्यवाही की जायेगी।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित कार्यशाला में संगठन की मजबूती और आगामी कार्ययोजना पर हुआ व्यापक मंथन

भोपाल (आरएनएस)। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आज एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें संगठन की मजबूती, आगामी चुनावों की तैयारी और जनसंपर्क अभियानों को प्रभावी बनाने पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर पार्टी की विचारधारा को सशक्त रूप से आगे बढ़ाने का आह्वान किया।बैठक में प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार एवं प्रदेश सह प्रभारी संजय दत्त ने अपने प्रभार क्षेत्र के अंतर्गत सभी जिलों के प्रभारी एवं अध्यक्षों के साथ विस्तार से चर्चा की। इस दौरान संगठन को ज़मीनी स्तर पर अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने के लिए रणनीतियाँ तय की गईं।प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व ने जनता से सीधा संवाद स्थापित करने, सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ व्यापक जनआंदोलन खड़ा करने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष प्रियव्रत सिंह, आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्षविक्रांत भूरिया एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) संजय कामले भी मौजूद रहे। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि कांग्रेस कार्यकर्ता प्रत्येक जिले और ब्लॉक स्तर पर आम जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को उठाएंगे और सरकार की नाकामियों को उजागर करेंगे। प्रदेश कांग्रेस पार्टी आने वाले समय में महंगाई, बेरोजगारी, किसान और आदिवासी हितों, महिला सुरक्षा और लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर बड़े स्तर पर आंदोलन करेगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पूरी निष्ठा और ऊर्जा के साथ जनता के बीच जाएं और कांग्रेस की नीतियों को मजबूती से रखें। वहीं, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि वर्तमान सरकार की नीतियां आम जनता के खिलाफ हैं, और कांग्रेस पार्टी जनता की आवाज बनकर उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ेगी।

चिकित्सकों के दलों ने 26 सफाई मित्रों एवं वाहन चालकों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

भोपाल (आरएनएस)। नगर निगम द्वारा निगमकर्मियों विशेषकर स्वच्छता संबंधी कार्यों में संलग्न कर्मचारियों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु समय-समय पर शिविरों का आयोजन किया जाकर शिविरों में विभिन्न प्रकार के रोगों की जांच, औषधी वितरण के साथ ही उपचार एवं स्वास्थ्य के संबंध में सलाह दी जा रही है। इसी तारतम्य में गुरूवार को गोड़ीपुरा गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन पर आयोजित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के प्रथम दिन में 26 सफाई मित्रों एवं वाहन चालकों का स्वास्थ्य परीक्षण डॉ. निशी आजाद व अन्य चिकित्सकों द्वारा किया गया एवं विभिन्न रोगों की जांच भी की गई। शुक्रवार, 28 फरवरी 2025 को भी गोंडीपुरा गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा।

42वीं नेशनल रोइंग चैंपियनशिप : भोपाल के बड़े तालाब पर होगा 25 राज्यों की रोइंग टीमों का महामुकाबला

3 से 7 मार्च तक होगा आयोजन, मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे शुभारंभ
मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने की तैयारियों की समीक्षा

भोपाल (निप्र)। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को खेल एवं युवा कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर 42वीं नेशनल रोइंग चैंपियनशिप की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि खिलाड़ियों और कोच के ठहरने, भोजन, सुरक्षा और अन्य सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही, प्रतियोगिता का सजीव प्रसारण एलईडी स्क्रीन के माध्यम से बोट क्लब सहित शहर के प्रमुख चौराहों पर किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक खेल प्रेमी इस रोमांचक मुकाबले का आनंद ले सकें। बैठक में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संचालक रवि कुमार गुप्ता, संयुक्त संचालक बी.एल. यादव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

3 से 7 मार्च तक 25 राज्यों के 500 खिलाड़ी होंगे शामिल

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि बड़े तालाब स्थित मध्यप्रदेश राज्य वॉटर स्पोर्ट्स अकादमी, बोट क्लब पर 3 मार्च से 7 मार्च तक 42वीं नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का आयोजन होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 3 मार्च को प्रतियोगिता का शुभारंभ करेंगे। प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य वॉटर स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ी रोइंग, क्याकिंग-केनोइंग, सेलिंग और स्लालम खेलों की विशेष प्रस्तुति देंगे। इस अवसर पर खेल प्रेमियों को जल क्रीड़ा का अद्भुत नज़ारा देखने को मिलेगा। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि चैंपियनशिप में 25 राज्यों से लगभग 500 प्रतिभागी भाग लेंगे। जिसमें रोइंग के कुल 14 इवेंट होंगे। यह चैंपियनशिप देश के शीर्ष रोवर्स को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करेगी। इन कैटेगरी में होगी प्रतियोगिताएं42वीं नेशनल रोइंग चैंपियनशिप में सीनियर पुरूष, सीनियर महिला और पैरा रोइंग स्पर्धाओं के अंतर्गत विभिन्न प्रतिस्पर्धाएँ आयोजित की जाएँगी। सभी स्पर्धाएं 2000 मीटर की दूरी पर आयोजित की जाएँगी।

उपनगर ग्वालियर में विकास की श्रृंखला लगातार जारी रहेगी : मंत्री श्री तोमर

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने वार्ड 13 में लगभग 1.42 करोड के विकास कार्यों का किया भूमि पूजन

ग्वालियर (ए.)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि उपनगर ग्वालियर में विकास कार्यों की श्रृंखला लगातार जारी रहेगी। यहां की बस्तियों में स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, पेयजल व सीवर जैसी मूलभूत सुविधाओं के विस्तार से क्षेत्र की तस्वीर बदल रही है। श्री तोमर ने उपनगर ग्वालियर के वार्ड 13 में लगभग एक करोड 42 लाख रूपए लागत के विकास कार्यों के भूमि पूजन अवसर पर यह बात कही। उन्होंने आमजन से शहर को साफ व स्वच्छ बनाये रखने में सहयोग देने की भी अपील की।

मंत्री श्री तोमर ने वार्ड 13 में 01 करोड 41 लाख 50 हजार रूपये के विकास कार्यों का भूमि पूजन किया। जिसमें समुदायिक भवन कोटा वाला मौहल्ला लागत राशि 10 लाख रूपये, सी.सी. रोड तानसेन नगर ई. ब्लॉक में लागत राशि 12 लाख 50 हजार रूपये, सी.सी. रोड लोहामण्डी एवं तानसेन नगर बी. ब्लॉक राशि 5 लाख रूपये, नाली एवं सी.सी. मरम्मत कार्य विभिन्न गलियों में लागत राशि 10 लाख रूपये, सी.सी. रोड लोहामण्डी ग्यासी आटा चक्की कोटा वाला मौहल्ला, पवन उपाध्याय की गली, फोर्ट रोड, दयाल स्टूडियो वाली गली, मायाचन्द धर्मशाला के पीछे, हजीरा अलीगढ़ मिष्ठान भण्डार के बगल वाली गली लागत राशि राशि 33 लाख रूपये, तानसेन नगर, सी.सी. रोड लागत राशि राशि 20 लाख रूपये, सी.सी. रोड तानसेन नगर, डॉ. सोनकर की गली लागत राशि 9 लाख रूपये, सी.सी. रोड तानसेन नगर, आजाद त्रिपाठी वाली गली लागत राशि राशि 22 लाख रूपये एवं सी.सी. रोड तानसेन नगर राजीव कुशवाह वाली गली में 20 लाख रूपये की राशि से निर्माण कार्य शामिल हैं।

वीयू- का सप्तम दीक्षांत समारोह- स्वर्ण पदक पाकर खिल उठे चेहरे

जबलपुर (निप्र)। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय का सप्तम दीक्षांत समारोह माननीय कुलाधिपति महोदय एवं राज्यपाल श्री मंगू भाई पटेल जी की अध्यक्षता में दिनांक 28 फरवरी 2025 को विश्वविद्यालय प्रांगण में संपन्न हुआ , कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि माननीय पशुपालन मंत्री लखन पटेल जी रहे। दीक्षांत समारोह के अवसर पर सर्वप्रथम कुलाधिपति महोदय द्वारा राष्ट्र ऋषि भारत रत्न नानाजी देशमुख की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया,

तदुपरांत दीक्षांत यात्रा प्रांगण से मंच पर पहुंची,जिसमें कुलाधिपति महोदय, पशुपालन मंत्री, कुलपति महोदय ,पूर्व कुलपति विश्वविद्यालय के प्रबंधन मंडल एवं कार्य परिषद के सदस्यगण शामिल रहे, कार्यक्रम का शुभारंभ मंच आसीन अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ कुल सचिव डा एस एस तोमर द्वारा कुलाधिपति महोदय की अनुमति पश्चात दीक्षांत समारोह का विधिवत शुभारंभ की घोषणा के उपरांत माननीय कुलपति डॉ मनदीप शर्मा जी द्वारा विश्वविद्यालय की प्रगति विवरण की प्रस्तुति की गई तथा मंचासीन अतिथियों द्वारा दीक्षांत समारोह के स्मारिका का विमोचन हुआ। माननीय कुलपति द्वारा दीक्षा उपदेश में छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई तथा माननीय कुलपति जी द्वारा विश्वविद्यालय की तथा विभिन्न महाविद्यालयों की उपलब्धियां शिक्षा अनुसंधान एवं विस्तार के क्षेत्र में बताएं तथा कहा की प्रदेश के गरीब पशुपालको की आय दुगनी करने एवं उनके उन्नयन हेतु विश्वविद्यालय संकल्पित है माननीय कुलाधिपति जी द्वारा छात्रों को स्वर्ण पदक एवं उपाधियां प्रदान की गई। इस सातवें दीक्षांत समारोह में शैक्षणिक सत्र 21- 22 ,22-23 तथा 23- 24 के कुल 1029 छात्राओं को उपाधि प्रदान की गई । जिसमें 12 स्वर्ण पदक है । सत्र 2021-22,2022-23,2023-24 में क्रमश:बी व्ही एस सी में डॉ नेहा शर्मा, डॉ नीलम सोनी, डॉ निवेदिता द्विवेदी, बी एफ एस सी में अनिका नामदेव, निशि पाठक, मानसी हरिनखेड़े, एम व्ही एस सी में डॉ मारेड्डी विनीता रेड्डी, डॉ आफ़रीन खान, डॉ अन्नापुरेड्डी प्रवालिका , पी एच डी में डॉ रवि सिकरोदिया, डॉ पायल जैन, डॉ अंकित जैन को दिया गया, पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन में बी व्ही एस सी एंड ए एच में सर्वोच्च अंक हेतु स्व. मंडीक लाल लक्ष्मण राव स्वर्ण पदक (वाइस चांसलर स्वर्ण पदक), क्रमश: तीनों सत्र के लिए डॉ सुरभि शर्मा, डॉ मुस्कान यादव, डॉ श्रेया तोमर को दिया गया ।

इंदौर स्मार्ट सिटी मिशन द्वारा संचालित वाहन पार्किंग से चालकों को मिल रही है बड़ी राहत

दुपहिया वाहन चालकों के लिए खजूरी बाजार और यशवंतगंज में स्थित है अत्याधुनिक झूला पार्किंग नन्दलालपुरा फुट मार्केट पार्किंग में बड़ी संख्या में रोजाना पार्क होते है चार पहिया वाहन

इन्दौर (ए.)। शहर में एक ओर जहां कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में लगातार यातायात सुधार मुहिम चलाकर सड़क किनारे बेतरतीब खड़े वाहनों को हटाने के साथ-साथ चालानी कार्रवाई की जा रही है, वहीं दूसरी और स्मार्ट सिटी कॉर्पोरेशन आधुनिक सुविधाओं से युक्त स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक झूला पार्किंगों को संचालित कर रहा है। फलत- वाहन चालकों को अपने वाहनों को पार्क करने में असुविधा नहीं हो रही है। स्मार्ट सिटी मिशन के सी.ई.ओ. दिव्यांक सिंह ने बताया है कि वर्तमान में शहर में स्मार्ट सिटी कार्पोरेशन के तीन पार्किंग एमजी रोड़ स्थित यशवंतगंज(मल्हारगंज) और खजूरी बाजार में कार्यरत है, जबकि तीसरा पार्किंग नन्दलालपुरा फूट मार्केट में संचालित है।

खजूरी बाजार स्थित झूला (इलेक्ट्रॉनिक मशीन) पार्किंगसितम्बर 2023 में 7 करोड़ 35 लाख रुपये की लागत से निर्मित किया गया था। अत्याधुनिक सुविधाओं से लेस यह पार्किंगकेवल दुपहिया वाहनों के लिए है।

मशीन जब्त करने पहुंचीं खनिज इंस्पेक्टर का ग्रामीणों ने किया विरोध, उल्टे पैर लौटाया, लगाए आरोप

सीहोर (ए.)। किसान के खलिहान में खड़ी मशीन को जब्त करने पहुंची खनिज इंस्पेक्टर को ग्रामीणों के विरोध के बाद उल्टे पांव लौटना पड़ा। गांव के बुजुर्ग और मजदूरों का आरोप है कि खनिज इंस्पेक्टर के द्वारा पिछले कई महीनों से उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा है। जिसका नतीजा यह है कि मजदूरों से रोजगार छिन गया है। हालत ये है कि रेत घाटों पर मजदूरी कर अपनी जीविका चलाने वाले कई परिवारों के सामने रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में अब वह अपने परिवार का लालन-पालन कैसे करेंगे ग्रामीणों के विरोध के बाद जब इस मामले में खनिज इंस्पेक्टर घिरती नजर आईं तो वह उल्टे पांव वाहन में बैठकर रवाना हो गईं। जानकारी के मुताबिक गुरुवार को खनिज इंस्पेक्टर खुशबू वर्मा क्षेत्र के गांव छिदगांव काछी अमले के साथ कार्रवाई करने के लिए पहुंचीं थीं।

चलित खाद्य प्रयोगशाला द्वारा बामनिया पेटलावद एवं पिटोल में निरीक्षण कर नमुने लिए गए

झाबुआ (ए.)। आगामी होली पर्व एवं भगोरिया को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन, नापतोल विभाग एवं खाद्य नागरिक एवं आपूर्ति विभाग का संयुक्त जांच दल गठित किया गया है। दल को बाजारो में बिकने वाली खाद्य सामग्री एवं घरेलू गैस टंकी का उपयोग के संबंध में लगातार निरीक्षण किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

जांच दल द्वारा बामनिया, पेटलावद एवं ग्राम पिटोल में भगोरिया त्यौहार को ध्यान में रखते हुए समस्त होलसेलर विक्रेताओ के निरीक्षण कर हाट बाजार में बिकने वाली सामान्य खाद्य सामग्री एवं विशेष कर ग्रीष्म ऋतु में अत्यधिक उपयोग में आने वाले कोल्डड्रिंक का निरीक्षण कर नमूने जांच के लिए लिए गए हैं, जिसमें कुल 33 नमूने लेकर जांच प्रयोगशाला को भेजे जा रहे हैं। साथ ही जिले में माह फरवरी के लिए चलित खाद्य प्रयोगशाला का द्वारा ग्राम बामनिया, पेटलावद एवं पिटोल में कुल 52 नमूने जांच में लेकर मौके पर ही जांच की गई है। जांच दल में नापतोल निरीक्षक कपिल कदम, श्रम सहायक संजय पांचाल एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी राहुल सिंह अलावा मौके पर उपस्थित रहे।

व्यापार समाचार

शेयर बाजार टूटा , सेंसेक्स 1414 , निफ्टी 420 अंक नीचे आया

निवेशकों के 8.95 लाख करोड़ रुपए डूबे

मुम्बई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही चौतरफा बिकवाली हावी रहने से आई है आज बाजार करीब 9 महीने के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में इंट्रा-डे कारोबार में भी 8 महीने की सबसे बड़ी गिरावट रही। आज बीएसई और एनएसई के सभी सभी सेक्टोरल इंडेक्स में गिरावट रही। मिडकैप, स्मॉलकैप इंडेक्स में भी भारी बिकवाली रही। इस दौरान आईटी, वाहन और पीएसयू शेयर सबसे अधिक नीचे आये। इसके अलावा उर्जा, दवा, धातु शेयरों में भी बिकवाली हावी रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1414.33 अंक करीब 1.90 फीसदी टूटकर 73,198.10 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 420.35 अंक तकरीबन 1.86 फीसदी फिसलकर 22,124.70 के स्तर पर बंद हुआ।सेंसेक्स के 30 में से 29 शेयर गिरे केवल एचडीएफसी का शेयर ऊपर आया जबकि निफ्टी के 50 में से 45 शेयर फिसले। वहीं निफ्टी बैंक के 12 में से 10 शेयरों में गिरावट रही । मिडकैप 1,222 अंक गिरकर 47,915 पर बंद हुआ। निफ्टी बैंक 399 अंक गिरकर 48,345 पर बंद हुआ।

निवेशकों को हुआ 8.95 लाख करोड़ रुपए का नुकसान

शेयर बाजार में बिकवाली से निवेशकों की संपत्ति 8.95 लाख करोड़ रुपए घट गई। शुक्रवार को बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकर 384 लाख करोड़ रुपए रहा गया जबकि ये गत दिवस गुरुवार को करीब 393 लाख करोड़ रुपए था।

इससे पहले आज सुबह बाजार भारी गिरावट के साथ खुले। में बिकवाली के कारण मुंबई स्टॉक एक्सचेंज सुबह 973 अंकों की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज मे 330 अंकों से ज्यादा की गिरावट के साथ कारोबार हो रहा था। शेयर बाजार मे निफ्टी 50 में 291 अंकों की गिरावट देखने को मिली। जिसके कारण शेयर बाजार में हाहाकार मच गया है। देसी और विदेशी निवेशक की भारी बिकवाली दिन भर जारी रही। बाजार में पिछले 5 माह में लगभग 14000 अंकों की गिरावट देखने को मिली है। पिछले 5 महीने से शेयर बाजार में लगातार गिरावट होने से देसी निवेशकों का हौसला भी टूट गया है।

बाजार के टूटने का प्रमुख कारण ट्रेड वार की आशंका

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको पर 4 मार्च से ही 25 प्रतिशत टैरिफ लागू करने की घोषणा की है।

जबकि इसके पहले उन्होंने टैरिफ को 2 अप्रैल से लागू करने का संकेत दिया था। ट्रंप ने यह भी कहा कि चीन से आने वाले सामानों पर भी 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगेगा, जिससे ग्लोबल ट्रेड वार छिड़ने की आशंका बढ़ गई है। बाजार जानकार बताते हैं कि शेयर बाजार अनिश्चितता को पसंद नहीं करते हैं और जब से ट्रंप राष्ट्रपति चुने गए हैं, तब से अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। ट्रंप के टैरिफ ऐलानों का शेयर बाजार पर असर पड़ रहा है।

2024 में टैबलेट मार्केट ने किया कमाल, दिखा 42 प्रतिशत का जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली(आरएनएस)। भारतीय टैबलेट बाजार में 2024 में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें कुल शिपमेंट 5.73 मिलियन यूनिट तक पहुंच गई, जो सालाना आधार पर 42.8 प्रतिशत की वृद्धि है। हाल ही में आई एक लेटेस्ट रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।आईडीसी के 'वर्ल्डवाइड क्वार्टरली पर्सनल कंप्यूटिंग डिवाइस ट्रैकर' के आंकड़ों के अनुसार, डिटैचेबल और स्लेट टैबलेट दोनों ने इस वृद्धि में अहम योगदान दिया है, जिनमें क्रमश: 30 प्रतिशत और 47.2 प्रतिशत सालाना वृद्धि दर्ज हुई है। अट्रैक्टिव ऑनलाइन प्रमोशन, डिस्काउंट और कैशबैक ऑफर की वजह से कंज्यूमर सेगमेंट मजबूत रहा और इस सेगमेंट में सालाना आधार पर 19.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

60 प्रतिशत से अधिक शिपमेंट एंट्री-लेवल टैबलेट के होने के बावजूद, कंज्यूमर सेगमेंट में एवरेज सेलिंग प्राइस (एएसपी) वित्त वर्ष 2023 में 309 डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 336 डॉलर हो गया। रिपोर्ट में कहा गया कि कमर्शियल सेगमेंट ने और भी बेहतर प्रदर्शन किया, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 69.7 प्रतिशत बढ़ा, जिसका मुख्य कारण शैक्षणिक संस्थानों में टैबलेट की मांग में पिछले वर्ष की तुलना में 104.5 प्रतिशत की भारी वृद्धि थी। सरकार द्वारा फंडेड शिक्षा परियोजनाओं ने इस वृद्धि को बढ़ावा दिया, जबकि वेरी लार्ज बिजनेस (वीएलबी) सेगमेंट में पिछले वर्ष की तुलना में 9.9 प्रतिशत की गिरावट आई।

यूट्यूब करने जा रहा बड़े बदलाव, अब वीडियो पर नहीं आएगी ऐड , क्रिएटर्स को मिलेंगे अधिक पैसे

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। यूट्यूब अब ऐड्स दिखाने की पॉलिसी को बदलने की तैयारी कर रही है। जानकारी के अनुसार ये बदलाव 12 मई से होने जा रहे है। जिसके बाद यूट्यूब पर वीडियो स्ट्रीमिंग का एक्सपीरियंस पहले से बेहतर हो जाएगा।

वीडियो में डायलॉग या सीन के बीच में ऐड्स नहीं आएंगे। यूट्यूब के मुताबिक, जल्द ही यूजर्स को ऐड्स की परेशानी कम लगेगी। मई से नैचुरल ब्रेकप्वाइंट पर ही ऐड्स नजर आएंगे। इसे आप ऐसे समझें- जैसे अभी तक आप कोई भी वीडियो देखते थे तो बीच में कभी भी और कहीं भी ऐड्स आने लगती हैं। लेकिन कंपनी इसे बदल रही है। यूट्यूब अब किसी सीन या डायलॉग के बीच ऐड्स नहीं दिखाएगा। इन ऐड्स को किसी सीन के ट्रांजिशन या पॉज पर प्लेस कर दिया जाएगा। यूट्यूब ऐसा इसलिए कर रहा है क्योंकि वीडियो के दौरान आने वाली ऐड्स से यूजर्स का मजा खराब होता था। जिसकी वजह से यूट्यूब पर वीडियो स्ट्रीमिंग एक्सपीरियंस खराब हो रहा था। कंपनी की पोस्ट के मुताबिक, इस बदलाव से वीडियो पर व्यूज ज्यादा आएंगे। जिसकी वजह से क्रिएटर्स की कमाई बढ़ जाएगी।

यूट्यूब का बदला हुआ फीचर मई से पुराने वीडियोज पर शुरू किया जाएगा। कंपनी पुराने वीडियो पर भी मिड-रोल ऐड्स को एडजस्ट करने वाली है। ऐसे में जो क्रिएटर्स ऐड्स की प्लेसमेंट पर अपना कंट्रोल चाहते हैं वो यूट्यूब स्टूडियो में जाकर कर सेटिंग कर सकते हैं। उन्हें 12 मई से पहले इसे ऑप्ट-आउट करना होगा। इसी के साथ यूट्यूब इस बदलाव से क्रिएटर्स की मदद भी करने वाला है। कंपनी मिड-रोल एड के लिए मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों तरीकें मिक्स करने की प्लानिंग कर रहा है। क्रिएटर्स नए तरीके का इस्तेमाल करेंगे तो उन्हें मैनुअल प्लेसमेंट पर डिपेंड नहीं रहना होगा। इसके अलावा वो मैनुअल प्लेसमेंट वाले क्रिएटर्स की तुलना में 5 प्रतिशत ज्यादा कमाई कर सकेंगे। यही नहीं यूट्यूब क्रिएटर्स के लिए एक टूल भी लाएगा। इस टूल से क्रिएटर्स को पता चल सकेगा कि ऐड्स प्लेसमेंट से व्यूइंग एक्सपीरियंस कैसा चल रहा है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली (ए.)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं जिससे घरेलू बाजार में भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में फरवरी के अंतिम दिन शुक्रवार को कोई बदलाव नहीं हुआ और इसकी कीमतें पहले की तरह ही बनी हुई हैं। देश के सभी चार महानगरों की बात करें तो उसमें कीमतें पहले की तरह ही हैं। दिल्ली में प्रैट्रोल 94.72 वहीं डीजल 87.62 रुपये पर बना हुआ है। वहीं मुम्बई में प्रैट्रोल 103.44 और डीजल 89.97 रुपये जबकि कोलकाता में प्रैट्रोल 103.94 और डीजल 90.76 पर है। चेन्नई में प्रैट्रोल 100.85 व डीजल 92.44 वहीं बेंगलुरु में प्रैट्रोल 102.86 और डीजल 88.94 पर है। लखनऊ में प्रैट्रोल 94.65 और डीजल 87.76 पर हैं। वहीं लखनऊ में प्रैट्रोल 94.65 और डीजल 87.76 जबकि नोएडा में ये 94.87 व 88.01 पर हैं। गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 और डीज 88.05 पर है। चंडीगढ़ में इसकी कीमत 94.24 व 82.40 रुपये हैं। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तकरीबन एक साल मार्च 2024 के बाद से ही बदलाव नहीं हुआ है। बाजार जानकारों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में अभी कच्चे तेल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं, देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें पहले की तरह ही बनी हुई हैं।

भारत की रिटेल मार्केट 2034 तक 190 लाख करोड़ रुपये की होगी : रिपोर्ट

मुंबई (आरएनएस)। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था भारत 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी बना सकता है। इसके साथ ही देश की खपत में भी इजाफा होगा और यह 2034 तक बढ़कर 190 लाख करोड़ रुपये पहुंचने का अनुमान है। यह जानकारी गुरुवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई।

बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) की रिपोर्ट के अनुसार, देश में खपत अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कहीं ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। यह इस क्षेत्र की मजबूती और गति को दर्शाता है।

बीते एक दशक में भारत का रिटेल मार्केट 35 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 82 लाख करोड़ रुपये का हो गया है, जो सालाना आधार पर 9 प्रतिशत की गति को दिखाता है।

बीसीजी के प्रबंध निदेशक और सीनियर पार्टनर, अभीक सिंघी ने कहा कि अगले दशक में इसके 200 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है और यह सभी को अच्छे अवसर प्रदान करेगा। 2035 तक कई ट्रिलियन रुपये टर्नओवर वाले खुदरा विक्रेताओं के लिए कई अवसर हैं।

अनुमान है कि 2030 तक संपन्न परिवारों की संख्या तीन गुनी हो जाएगी, जिससे प्रीमियम और लक्जरी खुदरा क्षेत्र में महत्वपूर्ण अवसर पैदा होंगे, जबकि आम उपभोक्ता वर्ग प्रमुख उपभोक्ता आधार बना रहेगा।

रिपोर्ट में कहा गया कि कभी-कभी तीव्र अस्थिरता के दौर के बावजूद सेक्टर की ग्रोथ मजबूत बनी हुई है। संगठित खुदरा क्षेत्र लगातार बाजार में अपनी पैठ मजबूत कर रहा है।महिलाओं की भागीदारी बीते पांच वर्षों में दोगुनी हुई है और पुरुषों एवं महिलाओं में अंतर कम हुआ है। इससे महिला केंद्रित कैटेगरी जैसे ब्यूटी, पर्सनल केयर और फैशन में वृद्धि देखी गई है।

बिजनेस और टेक्नोलॉजी से तय होगा नया वर्ल्ड ऑर्डर, भारत को निभानी होगी अहम भूमिका : वित्त मंत्री

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि भारत को 'ग्लोबल रीसेट' में अहम भूमिका अदा करनी होगी, क्योंकि नया वर्ल्ड ऑर्डर किसी भी विकसित देश द्वारा नहीं निर्धारित किया जाएगा। राष्ट्रीय राजधानी में एक मीडिया इवेंट में वित्त मंत्री ने कहा, विकसित देशों के पास निवेश के लिए पैसा है, लेकिन वह भी उनके लिए पर्याप्त नहीं होगा। बिजनेस और टेक्नोलॉजी नए वर्ल्ड ऑर्डर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और भारत को इसमें भाग लेने की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत को ग्लोबल रीसेट में सार्थक योगदान देने के साथ-साथ प्रति व्यक्ति आय के मामले में ऊपर बढ़ने और वैश्विक विकास को आगे बढ़ाने वाला एक व्यावसायिक गंतव्य बनने की दिशा में निरंतर प्रयास करना होगा। वित्त मंत्री ने बताया कि टेक्नोलॉजी की प्रगति के मामले में भारत बहुत अच्छी स्थिति में है। हम टेक्नोलॉजी के कई पहलुओं में अग्रणी हो सकते हैं। हमने दुनिया को साबित कर दिया है कि जहां भी टेक्नोलॉजी की तैनाती का सवाल है, हम इसे बड़े पैमाने पर करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत उन मित्रों की ओर भी मदद का हाथ बढ़ा सकता है जिनके साथ हम अपने द्विपक्षीय संबंध मजबूत करना चाहते हैं। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि बहुपक्षीय संस्थाएं और उनका योगदान खत्म होता जा रहा है। इस कारण से अब कई देशों के लिए द्विपक्षीय एजेंडा सबसे ऊपर है।उन्होंने कहा कि भारत को न केवल व्यापार और निवेश के लिए बल्कि रणनीतिक संबंधों के लिए भी देशों के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने की जरूरत है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

चीजें वो तय करेगा

अमेरिका की दादागिरी की इम्ताह है कोई कुछ कहे करे उसे जो करना है करेगा वे जो कहेगा वहीं फैसला होगा सबसे दबाव डालकर हां करवायेगा। इसमें देखना ये है कि अमेरिका के दबाव में कौन नहीं आता अपनी पॉवर- पॉलिटिक्स के तहत ट्रंप साफ पैगाम दे रहे हैं कि चीजें वो तय करेगा, जिसके पास शक्ति है। इस क्रम में वे शक्तिशाली नेताओं से संपर्क जोड़ रहे हैं। पुतिन को वे वैसा ही नेता समझते हैं।

सऊदी अरब में अमेरिका और रूस के विदेश मंत्रियों की हुई बैठक का सार है कि ट्रंप प्रशासन ने यूक्रेन को डंप कर दिया है। वैसे उसने पूरे यूरोप को ही अधर में छोड़ दिया है। ये सब अब अपने जख्मों को खुद ही सहलाने के लिए मजबूर हैं। मार्को रुबियो और सर्गेई लावरोव की बातचीत में अमेरिका और रूस चार सूत्रों पर सहमत हुए। वैसे तो दुनिया का ध्यान यूक्रेन युद्ध संबंधी वार्ता पर था, मगर उससे आगे जाते हुए दोनों देश आपसी संबंध को पुनर्स्थापित करने के कदम उठाने पर भी रजामंद हुए। इसके तहत पहला लक्ष्य कूटनीतिक संबंध की बहाली है।

रुबियो ने दो टूक कहा कि युद्ध खत्म हुआ, तो रूस पर से आर्थिक और व्यापारिक प्रतिबंध भी हटाए जाएंगे। बातचीत के कुछ घंटों बाद राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदोमीर जेलेनेंस्की पर गंभीर इल्जाम लगाए। कहा कि इस युद्ध के लिए जेलन्स्की दोषी हैं और अब वे अपने देश में बेहद अलोकप्रिय हैं। जेलेन्स्की ने एतराज जताया था कि अमेरिका ने बिना यूक्रेन को शामिल किए उनके देश के बारे में सीधे रूस बातचीत शुरू कर दी है। इसी पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्रंप ने कहा कि लड़ाई जेलेन्स्की ने शुरू की और इसे खत्म करने के लिए उनके पास तीन साल का वक्त था। ट्रंप ने अरबों डॉलर की अमेरिकी मदद के उपयोग को लेकर भी संदेह जताया। उधर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पहल पर अमेरिका के अचानक रुख परिवर्तन से आहत यूरोपीय नेताओं की हुई बैठक कोई ठोस कार्य योजना बना पाने में नाकाम रही।

संयुक्त परिवार से सामाजिक संबंधों की बुनियाद मजबूत

भारत डोगरा

हालांकि अधिक ध्यान आर्थिक विकास की ओर किया जाता है, पर इसके साथ जरूरी है कि समाज सुधार की एक समग्र सोच बने और इस पर आधारित समाज-सुधार के प्रयास भी निरंतरता से चलते रहें।

समाज की सबसे बुनियादी इकाई परिवार है, और अच्छे तथा प्रगाढ़ पारिवारिक संबंध, सुख-दुख में साथ रहने और एकता के संबंध बने रहने चाहिए। यह विभिन्न लोगों की अपनी राय है कि वे संयुक्त परिवार में रहते हैं या अलग पर चाहे जैसे भी रहें, आपसी संबंध अच्छे बने रहने चाहिए। बच्चों को अच्छे संस्कार देने के लिए परिवार संभवत: स्कूल से भी अधिक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

इस जिम्मेदारी के प्रति परिवारों को सचेत रहना चाहिए और साथ ही ध्यान में रखना चाहिए कि अच्छे संस्कार डांट- डपट से नहीं, प्यार के माहौल में बेहतर ढंग से दिए जाते हैं। महिलाओं का सम्मान हर परिवार में होना चाहिए। इसके बिना कोई परिवार आदर्श परिवार नहीं कहला सकता है। उनके प्रति यह दृष्टिकोण होना चाहिए कि गरिमामय और मर्यादा भरे माहौल में उन्हें सब तरह की बराबरी और स्वतंत्रता मिले ताकि वे अपनी क्षमताओं का पूर्ण विकास कर सकें। परिवार की बेहतरी और व्यापक जिम्मेदारी का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि परिवार के जो सदस्य समाज की व्यापक भलाई की जिम्मेदारियों के लिए कुछ अलग राह अपनाना चाहते हैं, उन्हें परिवार का समर्थन-सहयोग मिले। आदर्श परिवार वह नहीं है, जो केवल धन एकत्र करता है, बल्कि वह है जो व्यापक सामाजिक भलाई के कायरे से जुड़ता और इनके संस्कार देता है। अच्छे पारिवारिक संबंधों के साथ पड़ोस से अच्छे संबंधों का भी प्रयास होना चाहिए।

समाज-सुधार का दूसरा महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि सभी तरह के नशे और दुर्व्यसनों जुए-अश्लीलता के विरुद्ध अभियान निरंतरता से चलना चाहिए। नशीले पदाथरे के कारण प्रति वर्ष विश्व में 110 लाख से अधिक मौतें होती हैं। इन नशों के कारण जिन लोगों का जीवन तबाह हुआ है, उनकी संख्या तो बहुत अधिक है और विश्व स्तर पर 80 करोड़ के आसपास है। एक तरह का नशा कम हो पर दूसरा बढ़ जाए तो भी कठिनाई बनी रहती है। कुछ कानूनी कार्रवाई हो जाए, पर आदत फिर भी न छूटे, तो भी कठिनाई बनी रहती है। अत: जरूरत इस बात की है कि निरंतरता से हर तरह के नशे को कम करने की समस्या को न्यूनतम करने के प्रयास चलते रहें और इसके लिए गांवों और बस्तियों में महिलाओं के नेतृत्व में नशा विरोधी समितियों का गठन होना चाहिए। अश्लीलता के प्रसार और अन्य हानिकारक व्यसनों को रोकने के लिए भी निरंतरता से प्रयास जरूरी है।

तीसरा महत्त्वपूर्ण मुद्दा यह है कि समाज में सभी तरह के भेदभाव को समाप्त किया जाए। जाति, धर्म, लिंग, रंग, क्षेत्र किसी भी आधार पर या ऐसी किसी भी पहचान के आधार पर न तो किसी से कोई भेदभाव होना चाहिए और न ही किसी का अपमान होना चाहिए। सभी लोगों की समानता को दिल की गहराई से स्वीकार कर सभी के साथ सम्मानजनक और गरिमामय व्यवहार करेंगे तो हमारा समाज बहुत बेहतर समाज बन सकेगा। समाज में ऐसी व्यापक सोच होनी चाहिए कि अपने से कमजोर आर्थिक-सामाजिक स्थिति के लोगों से व्यवहार सहायता का हो, शोषण का नहीं। इस समानता के आधार पर समाज में व्यापक एकता और सहयोग की स्थिति स्थापित होनी चाहिए। यदि ऐसा हो सके तो हमारे समाज और देश की इतनी उत्साहवर्धक प्रगति हो सकेगी कि दुनिया भर में सराही जाएगी। जिस समाज में समानता आधारित एकता और सहयोग होगा वह समाज सबके मिले-जुले प्रयास से प्रगति की किसी भी बुलंदी को छू सकता है, उसके लिए कुछ भी असंभव नहीं है।

वैसे तो परस्पर एकता और सहयोग से सभी तरह के कार्य आगे बढ़ेंगे पर पर्यावरण रक्षा और आसपास की स्वच्छता को प्राथमिकता का केंद्र बनाना होगा। इसके अतिरिक्त आपसी एकता और सहयोग से ऐसी कई समस्याओं को दूर किया जा सकता है, जिनके कारण बहुत से परिवार परेशान हैं पर जिनका समाधान चंद परिवारों के स्तर पर न कर व्यापक सहयोग की आवश्यकता है। इस तरह दहेज समस्या, कुछ अवसरों पर फिजूलखर्ची आदि को दूर किया जा सकता है, जिनके कारण बहुत से लोग कर्जग्रस्त और तनावग्रस्त हो रहे हैं। समाज-सुधार की समग्र समझ के आधार पर इसके लिए प्रयास निरंतरता से होने चाहिए और इसके लिए समितियों का गठन होना चाहिए। युवाओं और महिलाओं की इसमें विशेष भूमिका होनी चाहिए।

समाज-सुधार की इस सोच का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि इसमें परंपरा और आधुनिकता का संतुलित मिलन हो।

कुछ लोग परंपरा के प्रति अत्यधिक झुकाव रखते हैं। भूल जाते हैं कि परंपरागत व्यवस्था और सोच में कुछ ऐसी कमजोरियां थीं जिनके कारण देश को पहले ही बहुत भुगतना पड़ा है। दूसरी ओर, कुछ लोग आधुनिकता से इतने आकर्षित हो जाते हैं कि भूल जाते हैं कि आधुनिकता के कुछ चिंताजनक पक्षों के कारण पश्चिमी देशों के समाज में ऐसी विसंगतियां आ गई हैं जिनके कारण वहां के लोग बहुत चिंतित हैं। अत- सही रास्ता यही होगा कि परंपरा की मजबूतियों और कमजोरियों, दोनों को भली-भांति समझा जाए और इसी तरह आधुनिकता की बुराइयों-अच्छाइयों का भी सही मूल्यांकन किया जाए। केवल परंपरागत व्यवस्था से चिपके रहना उचित नहीं है, तो आधुनिकता की आंधी में इस तरह उड़ जाना भी उचित नहीं है कि हम अपनी बुनियाद को ही खो बैठें। हमें तर्कसंगत दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और इस आधार पर परंपरा और आधुनिकता के संतुलित मिलन से इसे अपनाना चाहिए।यदि समाज की सबसे बुनियादी इकाई परिवार को ही देखें तो इसमें कोई संदेह नहीं कि संयुक्त परिवार से सामाजिक संबंधों की बुनियाद मजबूत रहती है, और सुख-दुख में अकेले न पडऩे का विश्वास बढ़ता है, असुरक्षा कम होती है। किन्तु यदि संयुक्त परिवार में ऐसी सख्ती या संकीर्णता हो कि इसके कुछ सदस्यों, विशेषकर महिलाओं को अपनी प्रतिभा का विकास ठीक विकसित करने में बाधाएं नजर आएं तो फिर संयुक्त परिवार में समस्याएं भी आती हैं, और इससे सामाजिक प्रगति बाधित भी होती है।

औद्योगिक क्रांति की नई कहानी लिख रहा है मध्यप्रदेश

गोविन्द सिंह राजपूत

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में दो दिन पूर्व संपन्न दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे भारत की अर्थव्यवस्था के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति ने इस समिट को एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया।

मध्यप्रदेश अब औद्योगिक विकास के नए दौर में प्रवेश कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के लिए लोकल से ग्लोबल दृष्टिकोण को अपनाया गया है। इस रणनीति के तहत रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और रोड शो जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से निवेशकों और उद्योगपतियों को आकर्षित करने के ठोस प्रयास किए गए हैं। ये पहल न केवल राज्य की आर्थिक समृद्धि को गति दे रही हैं, बल्कि स्थानीय उद्योगों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान भी दिला रही हैं।

औद्योगिक विकास की नींव तब मजबूत होती है जब स्थानीय उद्योगों को आवश्यक संसाधन, तकनीकी सहायता और निवेश का अवसर मिलता है। इसी सोच के साथ मध्यप्रदेश सरकार ने बीते कुछ महीनों में संभाग स्तर पर 7 रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित किए, जिनका उद्देश्य स्थानीय व्यापारियों और उद्यमियों को निवेशकों और बड़े उद्योगपतियों से जोडऩा था।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के कारण

स्थानीय उद्योगों को राष्ट्रीय पहचान मिली। छोटे और मध्यम उद्यमों को बड़े व्यापारिक नेटवर्क से जोड़ा गया। इससे निवेशकों ने मध्यप्रदेश में उद्योग स्थापित करने की रुचि दिखाई। इसके साथ ही उद्योगों को और अधिक अनुकूल माहौल देने के लिए आवश्यक बदलावों पर विचार किया गया। बढ़ते उद्योगों के कारण युवाओं के लिए नए रोजगार सृजित हुए। इन कॉन्क्लेव्स के माध्यम से एमएसएमई सेक्टर को विशेष बढ़ावा मिला, जिससे छोटे और मझोले उद्योगों को नई उड़ान मिली। प्रदेशभर में रिजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के सफल आयोजन ने निवेशकों का ध्यान आकर्षित किया और मध्यप्रदेश को निवेश के लिए एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित किया। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और रोड शो जैसे आयोजनों के माध्यम से मध्यप्रदेश सरकार ने यह साबित कर दिया है कि वह न केवल स्थानीय उद्योगों को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि वैश्विक निवेश को भी आकर्षित करना चाहती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य तेजी से औद्योगिक प्रगति की ओर बढ़ रहा है, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, आधारभूत संरचना मजबूत होगी और प्रदेश की आर्थिक स्थिति और अधिक सुदृढ़ होगी। औद्योगिक क्रांति के इस नए दौर में, मध्यप्रदेश सिर्फ निवेशकों के लिए एक संभावनाओं से भरा प्रदेश नहीं, बल्कि एक ऐसा हब बन गया है जहां उद्योग, व्यापार और नवाचार एक साथ विकसित हो रहे हैं। आने वाले वर्षों में इन प्रयासों का प्रभाव और अधिक स्पष्ट होगा, जिससे प्रदेश न केवल आत्मनिर्भर भारत अभियान में योगदान देगा, बल्कि औद्योगिक क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम करेगा। राजधानी में आयोजित ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट के आयोजन पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और उनके मंत्रिमण्डल सहयोगी तथा अफसरों के टीमवर्क की हौसला अफजाई करते हुए देश के गृहमंत्री अमित शाह ने इस अवसर पर कहा कि यह आयोजन देश को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री ने विकास की नई उड़ान थीम पर जोर देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश भारत के औद्योगिक और आर्थिक भविष्य का अहम स्तंभ बनेगा। नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आज जब दुनिया भारत की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देख रही है, तब मध्यप्रदेश जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक निवेशकों को आकर्षित कर रही हैं।

प्रधानमंत्री ने पांच प्रमुख बिंदुओं पर बल दिया, जो निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यहां पिछले 10 वर्षों में 5 लाख किलोमीटर से अधिक सड़कें बनीं। 100त्न रेलवे विद्युतीकरण का कार्य पूरा हुआ। राज्य में नए लॉजिस्टिक्स हब और औद्योगिक क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं। रीवा और ओंकारेश्वर सोलर प्रोजेक्ट्स से मध्यप्रदेश भारत की ग्रीन एनर्जी कैपिटल बन रहा है।

मध्यप्रदेश में 31,000 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता है, जिसमें 30त्न नवीकरणीय ऊर्जा शामिल है। मध्यप्रदेश को देश का फूड प्रोसेसिंग हब बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

मिलेट्स (श्री अन्न) और जैविक कृषि के क्षेत्र में नई संभावनाएं दिखाई दे रही है। मध्यप्रदेश में ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल और फार्मा सेक्टर में रिकॉर्ड निवेश आ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पीथमपुर को भारत का डिफेंस और ऑटोमोबाइल हब बनाने की योजना है। ओंकारेश्वर, उज्जैन महाकाल लोक और सांची जैसे धरोहर स्थल वैश्विक आकर्षण के केंद्र बन रहे हैं जिससे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन और हील इन इंडिया अभियान को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने आशा व्यक्त की कि भारत की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में मध्यप्रदेश की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनकी सरकार की निवेश अनुकूल नीतियों की प्रशंसा की और निवेशकों को प्रदेश में उद्योग स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इस समिट में भाग लेने वाले उद्योगपतियों और निवेशकों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य ने निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन रांची में परियोजना भवन में एक कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों को लैपटॉप और टैबलेट वितरित करते हुए.

आज का राशिफल

मेष राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। राजनीति से जुड़े लोगों का सामाजिक स्तर पर रुतबा बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र को बढ़ाने के लिए किसी मित्र से आर्थिक मदद मिलेगी। ऑफिस में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी, प्रमोशन के योग भी बन रहे है। आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले की अपेक्षा मजबूत रहेगी। आज की गई मेहनत का भविष्य में आपको फायदा मिलेगा।

वृष राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। किसी दूसरे की ज्यादा आलोचना करने से आज आपको बचना चाहिए, नहीं तो परिस्थितियां आपके विपरीत बनेगी। आज आपके लिए फैसला करना कठिन होगा। शाम को माता-पिता के साथ किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जायेंगे। दवाइयों के व्यापार में आपको उम्मीद से अधिक लाभ होगा। आज अपना हर काम खुद करने की कोशिश करें, किसी और पर ना थोपे।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आप अपने डेली रूटीन में बदलाव करने की कोशिश करेंगे, जिससे आपको फायदा होगा। सोशल साइंस के स्टूडेंट्स के लिए दिन बढ़िया रहने वाला है, आपको करियर में सफलता मिलेगी। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर घर खरीदने की प्लानिंग करेंगे। ऑफिस में अधिकारियों से सम्मान मिलेगा। बच्चे आज ऑनलाइन कुछ सीखने की कोशिश करेंगे।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आप काम के प्रति बेहद एक्टिव रहेंगे। आप खुद को ताजगी से भरा हुआ महसूस करेंगे। जरूरतमंद की मदद के लिए आप हर संभव कोशिश करेंगे। आपका पॉजीटिव व्यवहार लोगों को प्रभावित करेगा। आज किसी जरूरी काम से भागदौड़ करनी पड़ेगी, लेकिन काम में सफलता मिलेगी।

सिंह राशि: आज का दिन आपके पक्ष में रहने वाला है। आज आर्थिक मामलों को लेकर आपको थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है। आज आप जॉब चेंज करने का मन बनाएंगे। आज आपका खुशमिजाज व्यवहार लोगों को आपकी ओर आकर्षित करेगा। कोट कचहरी से रिलेटिड रुके हुए काम किसी दोस्त की मदद से पूरे हो जाएंगे। आर्ट्स स्टूडेंट्स के लिए दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। मेहनत के बल पर आपको सफलता मिलेगी।

कन्या राशि: आज आपका दिन सफलता दिलाने वाला रहेगा। आप सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। आपसी विश्वास और सहजता के सहारे आपके रिश्तों में मजबूती आयेगी। इस राशि की महिलाओं को आज के दिन खास खुशखबरी मिलने वाली है। करियर के लिए आज आपका दिन मील का पत्थर साबित होगा। सफलता आपके कदम चूमेगी। ऑफिस में सबके साथ आपके रिश्ते बेहतर होंगे।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपके चुलबुले व्यवहार से लोग प्रभावित होंगे। आज आपको किसी अच्छी कंपनी में काम करने का ऑफर मिल सकता है। छात्र आज कंप्यूटर कोर्स ज्वाइन करने का मन बनाएंगे। ऑफिस का काम आज आप समय से पूरा करने की कोशिश करेंगे। शाम का समय भाई-बहनों के साथ बिताएंगे।

वृश्चिक राशि: आज खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। आज नया व्यवसाय शुरू करने का अवसर मिलेगा। जियोग्राफी स्टूडेंट्स के लिए दिन बेहतर रहने वाला है, दोस्तों से पूर्ण रूप से सहयोग प्राप्त होगा। आपका जीवनसाथी आपको ज्वेलरी उपहार में दे सकते है। महिलाएं आज ऑनलाइन शॉपिंग करेंगी। आज आपके आस-पास चहल-पहल रहेगी, इन गतिविधियों पर आपको ध्यान रखने की जरूरत है।

धनु राशि: आज आपका दिन भाग्यशाली रहने वाला है। आपके द्वारा किसी नए काम की शुरआत करने पर परिवार के सभी सदस्य खुश होंगे। ऑफिस के रुके हुए काम में सहकर्मी की सहायता मिलने से आपको राहत महसूस होगी। सफलता के नए मार्ग खुलेंगे कुछ घरेलू सामान की खरीदारी करनी पड़ सकती है। आज आप शाम को बच्चों के साथ घूमने के लिए पार्क जायेंगे। मित्रों के साथ किसी बात को लेकर चर्चा करेंगे। दांपत्य जीवन में खुशियां बरकरार रहेगी।

मकर राशि: आज किसी काम को करते समय आपको अपने मन को शांत रखना चाहिए। आज पैसों से जुड़े बड़े फैसले आपको सोच-समझकर लेने चाहिए। आज किस्मत के भरोसे आपको बिल्कुल नहीं रहना चाहिए। नौकरीपेशा वालों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कई दिनों से चली आ रही आर्थिक समस्याएं आज सुलझ जाएंगी।

कुंभ राशि: आज किसी व्यक्ति से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। थोड़ी मेहनत से किसी बड़े धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा, लेकिन मेहनत जारी रखने की आवश्यकता है। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। लवमेट के लिए दिन खास रहने वाला है। आज आपको किसी समाजसेवी संस्था में सहायता करने का मौका मिलेगा, इससे समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा। छात्रों को शिक्षकों का सहयोग मिलेगा।

मीन राशि: आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप किसी जरूरी काम को पूरा करने में सफल होंगे। बिजनेसमैन के लिए आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है। रोजगार के मामले में आप किसी जानकर व्यक्ति से सलाह लेंगे। करियर से रिलेटेड आपको कई अच्छे मौके मिलेंगे।

क्या फ़िल्में बदल पाएंगी इतिहास की इबारत?

राकेश अचल

बात फिल्मों की है लेकिन सियासत की भी है। आजकल देश को हिन्दू राष्ट्र बनाने के तमाम विकल्पों पर एक साथ काम चल रहा है। फ़िल्में भी इसका एक मोर्चा है। फिल्मों के जरिये इतिहास के पुनर्शोधन की कोशिश देखकर हैरानी भी होती है और हंसी भी आती है। ये मामला 1941 से चलकर अब 2025 में आ गया है। सिकंदर [1941] से शुरू हुई ये यात्रा अब छावा [2025]तक आ पहुंची है।

भारत में कहा जाता है कि पहली ऐतिहासिक किरदार पर बनी पहली फिल्म सिकंदर थी। 1941 में जब ये फिल्म बनी तब तकनीक का विकास बहुत ज्यादा नहीं हुआ था इसलिए तमाम कोशिशों के बावजूद इसमें वो रंग नहीं भरे जा सके जो आज की फिल्म छावा में भरे जा सके हैं। हिंदुस्तान में फ़िल्में सियासत का औजार नहीं थीं ,वे सामाजिक चेतना का औजार जरूर थी। तब इतिहास को लेकर नजरिया भी हिन्दू-मुसलमान का नहीं था ,इसीलिए सोहराब मोदी की फिल्म में अपने जमाने के स्थापित अभिनेता पृथ्वीराज कपूर सिकंदर की भूमिका भी सहजता से कर पाए। हमारी स्मृति की पहली ऐतिहासिक फिल्म तो मुगले-आजम थी। इस फिल्म को भारतीय दर्शकों ने न सिर्फ अभिनय के लिए बल्कि गीत -संगीत के लिए भी एक बार नहीं बल्कि बीसियों बार देखा। बार-बार देखा। हजार बार देखा।

मुगले -आजम के जरिये भी मुगल सम्राट अकबर को महान बताने की कोशिश नहीं की गयी थी ,बल्कि ये फिल्म प्रेम और सत्ता के बीच जंग की यशोगाथा थी। इस फिल्म में बामुश्किल केवल एक गीत रंगीन फिल्माया जा सका था। लेकिन ये फिल्म सचमुच कालजयी साबित हुई। इसे उन लोगों ने भी देखा जो आज देश को हिन्दू राष्ट्र बनाने के लिए जी-जान से लगे हैं और खुलकर फिल्मों का इस्तेमाल अपनी राजनीति के लिए कर रहे हैं।

मुझे लगता है कि पिछले 64 साल में मुगले आजम की कामयाबी के बाद दर्जनों ऐतिहासिक विषयों पर फ़िल्में बनीं लेकिन वे दर्शकों के लिए थीं ,सियासत केलिए नहीं।आपको हैरानी होगी कि मुगले आजम बनाने वाले के आसिफ मुसलमान होते हुए भी इस फिल्म को हिन्दू-मुसलमान के लिए नहीं बना पाए। क्योंकि इस फिल्म की कथावस्तु प्रेम था जो दुनिया के हर मजहब की रीढ़ होता है। के आसिफ ने अकबर को अल्लाह की तरह महान बनाने की कोशिश नहीं की बल्कि अकबर को मुहब्बत के समाने नतमस्तक होते दिखाया ,लेकिन अब जो फ़िल्में ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बन रहीं हैं उनका एकमेव मकसद दर्शकों के मन में एक खास मजहब के लोगों के खिलाफ घृणा पैदा करना है। दु:ख की बात ये है कि ऐसे प्रयासों को सत्ता का संरक्षण भी हासिल है।

हिंदुत्व की स्थापना के लिए शिक्षा में परिवर्तन हो रहा है ,इतिहास का पुनर्लेखन भी हो रहा है और छावा जैसी फ़िल्में भी बनाई जा रहीं हैं। मैंने छावा बार-बार देखी। तकनीक ,अभिनय और पटकथा की दृष्टि से छावा बनाने में सचमुच मेहनत की गयी है। लेकिन इसके बावजूद छावा मुगले -आजम की बराबरी नहीं कर पाती। क्योंकि छावा बनाते वक्त निर्माता का नजरिया केवल मनोरंजन या अर्थोपार्जन नहीं बल्कि सियासत भी है ,जो छिपाये नहीं छिप रहा। फिल्म अपने उद्देश्य में सफल भी होती दिखाई दे रही है। छावा को वे दर्शक भी पर्याप्त संख्या में मिल रहे हैं जो हिन्दू राष्ट्र के समर्थक हैं। ये अच्छी बात है या नहीं ,कह पाना कठिन है।

हम उस पीढ़ी के लोग हैं जिन्होंने मुगले -आजम के बाद अनारकली भी देखी और रजिया सुल्तान भी। जोधा-अकबर भी देखी और बाजीराव मस्तानी भी। हमने पद्मावत भी देखी और मणिकर्णिका भी। हम उन दर्शकों में से हैं जिन्होंने तानाजी दी अनसंग वारियर भी देखी और अब छावा भी देख रहे हैं। फिल्मे ही नहीं अब तो धारावाहिकों का इस्तेमाल भी मुगलों को क्रूर और हिन्दू विरोधी प्रमाणित करने के लिए किया जा रहा है। ऐसे ही धारावाहिकों में हाल ही में हमारी नजर पृथ्वीराज पर भी पड़ी। इन सबका मकसद इतिहास का शुद्दिकरण है। इतिहास का भगवाकरण है। मुमकिन है कि आपको मेरी ये धारणा बुरी और राष्ट्रविरोधी लगे किन्तु जो है सो है ,इसे बदला नहीं जा सकता।

हमारे देश में ऐसे सियासदां भी हैं जो कह चुके हैं की महात्मा गाँधी को गांधी फिल्म बनने से पहले कोई नहीं जानता था। ऐसे लोगों के लिए छावा जैसी फ़िल्में ही सच हैं ऐसे दर्शक भी हैं जो गाँधी बनने से पहले गाँधी को और छावा बनने से पहले संभाजी राव को नहीं जानते थे। फिल्मों के जरिये जनता के मन में एक मजहब के प्रति नफरत बोने की कोशिश हास्यास्पद भी है और निंदनीय भी,लेकिन कुछ कि लिए सराहनीय भी। क्योंकि आज जो मुसलमान इस देश में है वो न औरंगजेब की जेब से निकला है और न महमूद गजनबी का डीएनए उसमें है। औरंगजेब को मरे हुए 318 साल हो गए हैं और मेहमूद गजनबी को मरे दो एक हजार साल से भी ज्यादा हो गए हैं। अब हमारे बीच जो मुसलमान हैं वे न मुगल हैं और न अफगानी या ईरानी। वे विशुद्ध भारतीय हैं और कोई भी फिल्म उनकी भारतीयत नहीं बदल सकती।

इतिहास में भारतीय नायकों की एक लम्बी फेहरिस्त है जो स्वराज्य के लिए कुर्बान हो गए लेकिन किसी आततायी के आगे झुके नहीं ,लेकिन वे न कांग्रेसी थे और न भाजपाई। उनके समाने अखंड भारत भी नहीं था। सबका अपना-अपना राज था और वो ही स्वराज था। ऐसे महान नायकों के किस्से हमारे बच्चों को जानना ही चाहिए ,लेकिन इनके जरिये बच्चों के कोमल मन में किसी जाति या मजहब के खिलाफ घृणा पैदा करने की कोशिश भी नहीं की जाना चाहिए। क्योंकि हमारे इतिहास में बहुत से ऐसे किरदार भी हैं जो विजातीय होते हुए भी स्वराज के लिए लड़े और मरे। हजार,पांच सौ साल पुराने इतिहास की मरम्मत कर कोई आज की पीढी का भविष्य नहीं बना सकता। लेकिन कोशिश तो कोशिश है। इस तरह की कोशिशें केवल सैकड़ों साल पुराने इतिहास को लेकर ही नहीं हुईं बल्कि आज के कश्मीर ,केरल और मणिपुर को लेकर भी हुईं हैं। इन फिल्मों से हुए नफा-नुक्सान के बारे में दुनिया जानती है।

बहरहाल आज के दौर में ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बनाई जा रही फ़िल्में हों या धारावाहिक तकनीक और अभिनय के हिसाब से बहुत प्रभावी हैं। ऐतिहासिक किरदारों में भगवा ब्रिगेड में शामिल अक्षय कुमार भी शामिल हैं और संजय दत्त भी। पहले इनकी जगह मनोज कुमार यानि भारत कुमार हुआ करते थे ,लेकिन वे भारतीयता और भारतीय मूल्यों को लेकर फ़िल्में बनाते थे,हिन्दू-मुसलमान को लेकर नहीं। इसलिए जब भी ऐतिहासिक फ़िल्में देखें तब ये जरूर ध्यान में रखें कि आप फिल्म देख रहे हैं न की इतिहास पढ़ रहे हैं।

K K

राष्ट्रीय समाचार

शनिवार 01 मार्च 2025 ,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

संभल में जामा मस्जिद की रंगाई-पुताई होगी या नहीं? हाईकोर्ट ने लिया फैसला

प्रयागराज (आरएनएस)। संभल में स्थित जामा मस्जिद की केवल साफ-सफाई की जाएगी; सफेदी और मरम्मत नहीं की जाएंगी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने फोटोग्राफ सहित रिपोर्ट दाखिल करते हुए कहा कि सफेदी की आवश्यकता नहीं है। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने याचिकाकर्ता को रिपोर्ट पर जवाब दाखिल करने का समय दिया है और एएसआई से सोमवार तक हलफनामे सहित रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। अगली सुनवाई 5 मार्च को तय की गई है।

एएसआई ने बताया कि संरक्षित स्थल पर सफेदी या मरम्मत की अनुमति नहीं दी जा सकती। मंदिर पक्ष ने सफाई मरम्मत की आड़ में साक्ष्यों में छेड़छाड़ की आशंका जताते हुए इस प्रक्रिया का विरोध किया था। पूर्व में, एएसआई ने जामा मस्जिद इंतेजामिया कमेटी की अर्जी खारिज कर दी थी, जिसके बाद कमेटी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने गुरुवार को एएसआई की तीन सदस्यीय समिति गठित कर शुक्रवार को रिपोर्ट मांगी थी। राज्य सरकार और मंदिर पक्ष ने भी इस याचिका का विरोध किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर दी देशवासियों को बधाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने युवाओं से विकसित भारत के निर्माण में विज्ञान का लाभ उठाने की अपील की। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, विज्ञान के प्रति जुनूनी लोगों, खास कर हमारे युवा अन्वेषकों (यंग इनोवेटर्स) को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर शुभकामनाएं। आइए, विज्ञान और नवाचार को लोकप्रिय बनाते रहें और विकसित भारत के निर्माण के लिए विज्ञान का लाभ उठाएं। उन्होंने अपने पोस्ट में आगे कहा कि इस महीने के 'मन की बात' के दौरान, 'एक दिन वैज्ञानिक के रूप में' के बारे में बात की थी, जहां युवा किसी न किसी वैज्ञानिक गतिविधि में हिस्सा लेते हैं। पीएम मोदी के अलावा विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने भी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने इस संबंध में एक्स पोस्ट में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर महान भौतिक विज्ञानी सी.वी रमन को याद किया। उन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में सी.वी रमन द्वारा दिए गए अमूल्य योगदान का भी जिक्र किया। कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व शोध रमन प्रभाव के लिए उन्हें 1930 में एशिया में किसी भी विज्ञान स्ट्रीम के लिए भौतिकी के लिए प्रथम नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजीत पवार ने भी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने लिखा कि हमारा देश वैज्ञानिक नवाचार का केंद्र रहा है, सर सी.वी. रमन ने 1928 में इसी दिन रमन प्रभाव की खोज की थी, तथा अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए इसरो के कई मिशनों ने लगातार ज्ञान और सीखने की सीमाओं को आगे बढ़ाया है। बता दें, हर वर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इस दिन सीवी रमन ने रमन इफेक्ट की घोषणा की थी। महत्वपूर्ण खोज के लिए उन्हें 1930 में भौतिकी के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक घोटाला मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

मुंबई (आरएनएस)। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने 122 करोड़ रुपये के न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक स्कैम मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। बैंक घोटाले के मामले में वांछित आरोपी उन्नाथन अरुणाचलम उर्फ अरुण भाई के बेटे मनोहर अरुणाचलम को गिरफ्तार किया गया है।

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने ईओडब्ल्यू ने बताया कि 122 करोड़ रुपये के न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक घोटाले के मामले में वांछित आरोपी उन्नाथन अरुणाचलम उर्फ अरुण भाई के बेटे मनोहर अरुणाचलम (33) को गिरफ्तार किया है। मनोहर पर अपने पिता को भगाने में मदद करने का आरोप है, आज उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। इससे पहले मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के 122 करोड़ गबन मामले में कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था, जिनमें बैंक के पूर्व जीएम हितेश मेहता, बिल्डर धर्मेश पौन और अभिमन्यु नामक शामिल हैं। 122 करोड़ गबन मामले में मनोहर की चौथी गिरफ्तारी है।एफआईआर में आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (बीएनएस)(आईपीसी) की धारा 316(5) और 61(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस मामले की जांच मुंबई की ईओडब्ल्यू कर रही है। उल्लेखनीय है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मुंबई के न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक पर प्रतिबंध लगा दिया था। आरबीआई ने कहा था कि ये प्रतिबंध बैंक की स्थिति में सुधार होने तक लागू रहेंगे। ईओडब्ल्यू के डीसीपी मंगेश शिंदे के अनुसार, न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) देवर्षि शिशिर कुमार घोष ने मुंबई के दादर थाने में हितेश मेहता के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई थी।

कैग रिपोर्ट में दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाओं में कुप्रबंधन और वित्तीय लापरवाही का खुलासा

नई दिल्ली (आरएनएस)। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट में दिल्ली की सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में गंभीर कुप्रबंधन और वित्तीय लापरवाही को लेकर कई बड़ी खामियों की जानकारी सामने आई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में पिछले छह वर्षों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास और प्रबंधन में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं देखी गई हैं।

कैग रिपोर्ट में बताया गया है कि कोविड-19 के लिए आवंटित 787.91 करोड़ रुपये में से केवल 582.84 करोड़ का ही इस्तेमाल हुआ था। स्वास्थ्य कर्मियों की भर्ती और वेतन के लिए 52 करोड़ में से 30.52 करोड़ खर्च नहीं किए गए, जिससे कर्मचारियों की कमी समस्या बनी। दवाओं, पीपीई किट और मास्क के लिए 119.85 करोड़ में से 83.14 करोड़ का उपयोग नहीं हुआ, जिससे चिकित्सा आपूर्ति की कमी बढ़ी।

इसके साथ ही दिल्ली सरकार ने 32,000 नए बिस्तर जोड़ने का वादा किया था, लेकिन केवल 1,357 बिस्तर (4.24 प्रतिशत) ही जोड़े गए। कई

अस्पतालों में बिस्तरों की उपलब्धता न होने से कुछ मरीजों को फर्श पर लेटने के लिए मजबूर होना पड़ा था। तीन नए अस्पतालों के निर्माण में विलंब हुआ, जिनकी कुल लागत में 382.52 करोड़ का इजाफा हुआ। इंदिरा गांधी अस्पताल में 5 साल की देरी, बुराड़ी अस्पताल में 6 साल की देरी और एमए डेंटल फेज-2 में तीन साल की देरी हुई। दिल्ली में प्रमुख अस्पतालों और स्वास्थ्य विभागों में 8,194 रिक्तियां हैं। नर्सों में 21 प्रतिशत, पैरामेडिक्स में 38 प्रतिशत और डॉक्टरों की कमी 50-74 प्रतिशत तक है। कुछ अस्पतालों में नर्सों की कमी 73-96 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

वहीं, लोक नायक अस्पताल में सामान्य सर्जरी के लिए 2-3 महीने और बर्न सर्जरी के लिए 6-8 महीने का इंतजार करना पड़ता है। सीएनबीसी अस्पताल में बाल चिकित्सा सर्जरी के लिए 12 महीने का इंतजार है, और 10 जरूरी मशीनें काम नहीं कर रही हैं। राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में 6 ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू बेड और 77 निजी कमरे बेकार पड़े हैं। जनकपुरी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भी 7 ऑपरेशन थिएटर, ब्लड बैंक और 200 सामान्य बेड काम नहीं कर रहे हैं। एलएनएच के सुश्रुत ट्रॉमा सेंटर में आपातकालीन देखभाल के लिए डॉक्टरों की कमी है, जिससे मरीजों की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन नई दिल्ली में भारत के यूपीआई भुगतान तंत्र के उपयोग के साक्ष्य सत्र के दौरान शामिल होती हुई.

2027 में भाजपा बड़े बहुमत से सरकार बनाएगी, सपा का भविष्य अंधकार में : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 2027 में भाजपा तीसरी बार 2017 की तरह बड़े बहुमत से बनने जा रही है। सपा का भविष्य अंधकार में है। उसकी नाव में बड़ा छेद है।यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद ने शुक्रवार को कहा कि 2027 में भाजपा तीसरी बार बड़े बहुमत से सरकार बनाने जा रही है। सपा की नाव में छेद है इसलिए सभी इसमें से उतरकर भाग रहे हैं। समाजवादी पार्टी समाप्तवादी पार्टी हो रही है।

उन्होंने कांग्रेस के अभियान के बारे में कहा कि वह चाहे जितनी सभाएं कर ले, उसका खाता नहीं खुलने जा रहा है। दिल्ली की सीएजी की रिपोर्ट में मोहल्ला क्लिनिक में बेसिक चीजों के अभाव के बारे में केशव ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने ईमानदारी के नाम पर जितनी बड़ी बेईमानी की है, भारत के इतिहास में दूसरा कोई ऐसा उदाहरण नहीं है।

ज्ञात हो कि समाजवादी पार्टी 2027 विधानसभा को लेकर अपनी तैयारियों में तेजी से जुटी है। सपा

मुखिया हर दिन जिलों से अलग-अलग लोगों से मिलकर अभी से तैयारी के लिए जुटने को कह रहे हैं। वह लगातार सरकार की योजनाओं को लेकर भी घेर रहे हैं। कुंभ के आयोजन में भी सपा अध्यक्ष ने सोशल मीडिया पर लिखा कि दो मिनट का मौन न सही, महाकुंभ में इतनी बड़ी बात लिखते समय दो शब्द मृतकों और लापता लोगों के लिए भी लिख देते। सच को छुपाना अपराधबोध की निशानी होती है। उन्होंने एक अन्य एक्स पोस्ट पर लिखा कि उत्तर प्रदेश सरकार का दावा है कि महाकुंभ से प्रदेश की अर्थव्यवस्था में कई लाख करोड़ की कमाई हुई है।

देश में पहली बार पालतू बिल्लियों में बर्ड फ्लू, प्रशासन ने मटन-चिकन और अंडे की खरीद-बिक्री पर लगाई रोक

नई दिल्ली (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में पालतू बिल्लियों में बर्ड फ्लू (H5N1) का मामला सामने आया है। यह देश में पहली बार है जब पालतू बिल्लियों में बर्ड फ्लू पाया गया है। प्रशासन ने 30 दिनों के लिए मटन, चिकन और अंडों की खरीद-बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। साथ ही, संक्रमित क्षेत्रों में दुकानों को सील करते हुए आसपास के इलाकों को कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया है। नगर निगम के वार्ड संख्या 6, 7, 8, 28, 29, 30, 31, 41 और 45 को संक्रमित क्षेत्र घोषित किया गया है।

प्रशासन ने बिल्लियों के संपर्क में आए लोगों को भी एहतियात बरतने की सलाह दी है। 18 बिल्लियों की मौत के बाद उनके सैंपल जांच के लिए भेजे गए थे, जिसमें दो बिल्लियों में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई। पशु विभाग ने संक्रमित क्षेत्र में बिल्लियों के संपर्क में आए 65 लोगों के सैंपल जांच के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी भेजे गए। राहत की बात यह है कि इन सभी लोगों की रिपोर्ट निगेटिव आई।

बर्ड फ्लू और इसका प्रभाव

बर्ड फ्लू इन्फ्लुएंजा का एक प्रकार है, जिसका कारण ।।5ह1 वायरस होता है। यह शुरुआत में पानी के पक्षियों से फैला, लेकिन बाद में मुर्गी पालन उद्योग को तेजी से संक्रमित करने लगा। घरेलू पोल्ट्री इससे संक्रमित हो सकते हैं, और अगर यह किसी पक्षी को संक्रमित करता है तो उसकी मृत्यु की संभावना अधिक होती है। हालांकि, संक्रमित पक्षी इस वायरस को 10 दिनों से अधिक समय तक फैला सकते हैं।विशेषज्ञों के अनुसार, यह वायरस इंसान से इंसान में नहीं फैलता है, इसलिए अभी तक इसे महामारी नहीं माना गया है। हालांकि, यह पक्षियों से इंसानों में फैल सकता है, जिससे सावधानी बरतने की आवश्यकता है। प्रशासन द्वारा उठाए गए कदम संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए आवश्यक हैं।

पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह को बड़ी राहत, हाईकोर्ट ने खत्म किया आपराधिक मुकदमा

लखनऊ (आरएनएस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उनके खिलाफ चल रहे आपराधिक मुकदमे को समाप्त कर दिया। यह फैसला राज्य सरकार की उस अर्जी पर आया, जिसमें मुकदमा वापस लेने की मांग की गई थी। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की इस अर्जी को मंजूर कर लिया।

दरअसल, निचली अदालत ने सरकार के मुकदमा वापसी के प्रार्थना पत्र को पहले खारिज कर दिया था, लेकिन हाईकोर्ट ने निचली अदालत के इस आदेश को भी रद्द कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान की एकल पीठ ने बृजभूषण की याचिका पर सुनाया।

यह मामला वर्ष 2014 का है, जब गोंडा जिले की नगर कोतवाली में उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 188 और 341 के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। उन पर आरोप था कि उन्होंने सीआरपीसी की धारा 144 का उल्लंघन करते हुए लोक सेवक के आदेश की अवहेलना की थी।

बृजभूषण सिंह भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्हें अपने कार्यकाल में विनेश फोगाट जैसी स्टार रेसलर द्वारा शारीरिक शोषण के आरोपों का सामना करना पड़ा था। विनेश फोगाट के अलावा अन्य रेसलर ने भी बृजभूषण सिंह पर आरोप लगाए थे। ओलंपिक मेडलिस्ट बजरंग पूनिया भी पहलवानों के साथ नई दिल्ली में बृजभूषण सिंह के खिलाफ एक्शन लेने के लिए धरने प्रदर्शन पर बैठे थे।

पिछले माह बृजभूषण शरण सिंह के घर पर कुश्ती संघ ऑफिस को दोबारा शिफ्ट करने की खबर को संघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने निराधार बताया था। उन्होंने साफ किया था कि कुश्ती संघ का ऑफिस अभी भी दिल्ली के हरिनगर में है।भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने बताया था, बृजभूषण शरण सिंह के घर ऑफिस शिफ्ट करने की खबर पूरी तरह से गलत है।

अमृतसर सीमा पर दो ड्रोन और तीन पैकेट हेरोइन बरामद

जालंधर (आरएनएस)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने अमृतसर के सीमावर्ती क्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानों से संदिग्ध हेरोइन ले जा रहे दो ड्रोन बरामद किए। बीएसएफ के प्रवक्ता ने गुरुवार को कहा कि स्थानीय ग्रामीण की सूचना पर एक पैकेट संदिग्ध हेरोइन (कुल वजन- 508 ग्राम) को बीएसएफ जवानों ने अमृतसर जिले के गांव- दाओके से लगभग अपराह्न तीन बज कर चालीस मिनट पर बरामद किया। मादक पदार्थ के पैकेट को पीले चिपकने वाले टेप से लपेटा गया था और पैकेट पर धातु की अंगूठी के साथ दो रोशनी वाली छड़ें लगी हुई थीं।

संदिग्ध हेरोइन का एक और पैकेट (कुल वजन- 600 ग्राम) बीएसएफ जवानों ने सुबह करीब 07:15 बजे अमृतसर जिले के रोरनवाला खुर्द गांव से सटे एक खेत से बरामद किया। मादक पदार्थ पीले रंग के चिपकने वाले टेप से लिपटे हुए थे और पैकेट पर तांबे के तार की अंगूठी के साथ एक रोशनी वाली पट्टी भी लगी हुई थी।एक अन्य मामले में ड्यूटी पर तैनात सतर्क बीएसएफ जवानों ने अमृतसर जिले के उत्तर धारीवाल गांव से सटे सीमा सुरक्षा बाड़ से आगे एक खेत से एक असेंबल ड्रोन के साथ एक पैकेट (कुल वजन- 505 ग्राम) बरामद किया। बरामद पैकेट पीले रंग के चिपकने वाले टेप में लिपटा हुआ था और एक धातु की अंगूठी थी। स्थानीय ग्रामीण की सूचना पर बीएसएफ जवानों ने सुबह करीब 09:05 बजे रतनखुर्द गांव से सटे एक ग्रामीण के खेत से एक और ड्रोन (डीजेआई मैविक 3 क्लासिक) बरामद किया।

13 टीमें, खोजी कुत्ते और ड्रोन ऐसे पकड़ा गया बस में महिला से रेप का आरोपी दत्तात्रेय गाडे

पुणे ,(आरएनएस)। एक सनसनीखेज मामले में, पुणे बस बलात्कार के आरोपी दत्तात्रय गाडे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गाडे पर 26 साल की एक युवती के साथ स्वारगेट बस स्टेशन पर एक बस में बलात्कार करने का आरोप है। गुरुवार को पुणे पुलिस ने शिरूर तहसील में ड्रोन और डॉग स्क्वाड लगाई थी ताकि गाडे को पकड़ा जा सके। गाडे को पकड़ने के लिए कम से कम 13 पुलिस टीमें बनाई गई थीं। वह पुणे के गुनट गांव का रहने वाला है। गाडे के खिलाफ पुणे और अहिल्यानगर जिलों में चोरी, लूट और चेन-स्नैचिंग के छह से ज्यादा मामले दर्ज हैं। वह 2019 से एक मामले में जमानत पर बाहर था।पुणे शहर और पुणे ग्रामीण पुलिस ने गुनट गांव में तलाशी शुरू की, जिसमें गन्ने के खेतों में ड्रोन और डॉग स्क्वाड का इस्तेमाल किया गया। अधिकारियों ने बताया कि 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी गांव में पहुंचे। रिपोर्ट के अनुसार, गाडे उस खेत में नहीं मिला जहां पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। हालांकि, पुलिस की तत्परता और लोगों के सहयोग से आखिरकार उसे धर दबोचा गया।

दत्तात्रय गाडे ने रात साढ़े दस बजे अपने रिश्तेदार महेश के घर का रुख किया। वहां पहुंचने पर उसने अपने रिश्तेदारों से एक बोतल पानी लिया और कहा कि उसने बहुत बड़ी गलती कर दी है। इसके साथ ही उसने आत्मसमर्पण करने की इच्छा भी जताई। इस बीच, रिश्तेदारों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। गाडे वहां से चले गए, लेकिन पुलिस ने महेश के घर के आसपास के इलाके में तलाशी शुरू कर दी।

पुलिस ने डॉग स्क्वॉड की मदद ली और गाडे द्वारा पहनी गई शर्ट को कुत्तों से सूंघवाया गया और खोज अभियान शुरू किया गया। इसके आधार पर डॉग स्क्वॉड ने पुलिस को वह रास्ता दिखाया, जिससे गाडे गुजरा था। हालांकि, गाडे उस रास्ते से वापस नहीं लौटा। बाद में पता चला कि वह अपने रिश्तेदार के घर के पास ही एक छोटे कैनल में सो रहा था।

ग्रामीणों ने गाडे को महेश के घर के आसपास देखा और तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गाडे को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी स्वारगेट पुलिस स्टेशन की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने रात करीब 1:25 बजे की। इसके बाद, गाडे को तुरंत पूछताछ के लिए पुणे के लश्कर पुलिस स्टेशन ले जाया गया।

बता दें कि पुणे का स्वारगेट महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम के सबसे बड़े बस डिपो में से एक है। पीड़िता ने बताया कि वह मंगलवार सुबह 5:45 बजे सतारा जिले के फलटन जाने वाली बस का इंतजार कर रही थी। तभी गाडे ने उससे बात की और उसे 'दीदी' कहकर बुलाया। उसने कहा कि सतारा की बस दूसरी जगह खड़ी है। पुलिस ने बताया कि वह उसे एक खाली शिव शाही एसी बस में ले गया जो वहां खड़ी थी। बस में रोशनी नहीं थी, इसलिए वह हिचकिचाई, लेकिन गाडे ने उसे भरोसा दिलाया कि यह सही बस है। फिर वह उसके पीछे बस में चढ़ा और बलात्कार किया। पीड़िता मेडिकल क्षेत्र में काम करती है।

सुक्खू ने मंडी में नौ परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास किया

शिमला (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने गुरुवार को मंडी के द्रंग और सदर के लिए 46.82 करोड़ रुपये की लागत की नौ विकासात्मक परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास किए। सुक्खू ने जिला प्रशासन द्वारा शुरू किए गए 'अपना पुस्तकालय' कार्यक्रम के तहत नेरचौक और पधर में एक-एक पुस्तकालय का लोकार्पण भी किया। उन्होंने द्रंग विधानसभा क्षेत्र में 5.28 करोड़ रुपये की लागत से सब मार्केट यार्ड, टकोली के उन्नयन और सुदृढ़ीकरण कार्य, मंडी-कमांद-कटौला-बजौरा सड़क पर कमांद में उहल नदी पर 12.44 करोड़ रुपये लागत से निर्मित पुल का उद्घाटन किया।

उन्होंने क्षेत्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला मंडी में 1.33 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित डीएनए ब्लॉक का लोकार्पण किया। उन्होंने मंडी से बीर-लाग तथा बाड़ी-गुमाणु सड़क पर 2.08 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित गरूड़ नाला एवं गणपति नाला डबल लेन पुल तथा रंधाड़ा से अलाथु वाया चचोला सड़क पर 3.15 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित पुल और मंडी में 3.82 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित खंड विकास कार्यालय भवन का उद्घाटन भी किया। सुक्खू ने विश्वकर्मा मंदिर मंडी के पास 1.55 करोड़ रुपये की लागत से भू-स्खलन शमन कार्यों, वल्लभ राजकीय डिग्री कॉलेज मंडी के विभिन्न खंडों में 12 करोड़ रुपये की लागत से भूकंप रेट्रोफिटिंग के कार्य तथा 5.18 करोड़ रुपये की लागत के सिक्कन मठ से कसान वाया मोरेगालू सड़क का शिलान्यास किया।

हिमाचल प्रदेश में मंदिरों से पैसा मांग रही कांग्रेस सरकार, भाजपा इस फैसले के खिलाफ : जयराम ठाकुर

शिमला(आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश में मंदिरों और धार्मिक ट्रस्टों की धनराशि को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने राज्य सरकार के इस निर्णय की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए सरकार पर आरोप लगाया कि वह सनातन धर्म का विरोध करने के साथ-साथ मंदिरों की धनराशि का उपयोग अपनी योजनाओं के लिए करना चाहती है। इस निर्णय के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मोर्चा खोल दिया है और आम जनता से भी इस फैसले के खिलाफ आवाज उठाने का आह्वान किया है।

जयराम ठाकुर ने अपने बयान में कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार ने हाल ही में एक आदेश जारी किया है, जिसमें मंदिरों और धार्मिक ट्रस्टों से धनराशि सरकारी खजाने में जमा करने को कहा गया है। यह निर्णय इसलिए लिया गया ताकि सरकार की फ्लैगशिप योजनाएं, जैसे कि सुखाश्रय योजना और सुख शिक्षा योजना, चलाई जा सकें। ठाकुर के अनुसार, यह कदम बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य है। उनका कहना है कि पहले कभी किसी सरकार ने मंदिरों या ट्रस्टों के धन का इस्तेमाल अपनी योजनाओं के लिए नहीं किया।

उन्होंने यह भी बताया कि हिमाचल प्रदेश

में कुल 36 मंदिर सरकारी नियंत्रण में आते हैं, और सरकार ने इन मंदिरों से धनराशि प्राप्त करने के लिए न केवल आदेश दिया है बल्कि बार-बार उसका फॉलो-अप भी लिया जा रहा है जिसमें शीघ्र धनराशि हस्तांतरित करने का निर्देश दिया गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी आपदा के समय सरकार द्वारा मंदिरों और ट्रस्टों की धनराशि का उपयोग करने का औचित्य फिर भी समझ में आता है। उदाहरण के लिए, कोविड-19 महामारी के दौरान या प्राकृतिक आपदाओं (जैसे बाढ़ और भूस्खलन) के समय, जब लोगों की जान बचाने और राहत कार्यों के लिए धनराशि की आवश्यकता थी। लेकिन इस बार सरकार मंदिरों से प्राप्त धनराशि का उपयोग अपनी सामान्य योजनाओं को चलाने के लिए कर रही है, जो एक नीतिगत रूप से गलत कदम है।

शॉर्ट ड्रेस पहन अनन्या पांडे ने शेयर किया ग्लैमरस लुक, एक्ट्रेस की कातिल अदाएं देख फैंस के उड़े होश

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स से सभी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका बोल्ड और कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।एक्ट्रेस अनन्या पांडे आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा कर अक्सर सभी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लेती है।वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कर फैंस को दीवाना बना दिया है। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अनन्या पांडे कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक हॉट पोज देते हुए सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।एक यूजर ने एक्ट्रेस की इन फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- स्टनिंग। तीसरे यूजर ने लिखा है- अमेजिंग एंड स्टनिंग।अनन्या पांडे की लेटेस्ट फोटोशूट कराई गई फोटोज में आप देख सकते हैं, उन्होंने व्हाइट कलर की स्टाइलिश शॉर्ट स्कर्ट और साथ ही शर्ट पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही ग्लैमरस नजर आ रही हैं।

मैं तमिल लड़की नहीं हूं, लेकिन आपने जो प्यार मुझ पर बरसाया है, वह अमूल्य है : कयादु लोहार

निर्देशक अश्वथ मारीमुथु की हाल ही में रिलीज़ हुई फ़िल्म ड्रैगन से तमिल सिनेमा में डेब्यू करने वाली अभिनेत्री कायादु लोहार फ़िल्म रिलीज़ होने के बाद से ही दर्शकों से मिल रहे प्यार से अभिभूत हैं।

वास्तव में, इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री की टाइमलाइन इतनी प्रशंसात्मक टिप्पणियों और संपादनों से भर गई है कि अभिनेत्री ने अब इंस्टाग्राम पर एक वीडियो क्लिप डाली है, जिसमें उन्होंने अपने सभी प्रशंसकों को उनके प्यार के लिए धन्यवाद दिया है, जिसे वह अमूल्य कहती हैं। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने इस वीडियो क्लिप में तमिल और तेलुगु में बात की है।

कयादु लोहार ने कहा मुझे नहीं पता कि कहां से शुरू करूं। पल्लवी, ड्रैगन और मुझे जो प्यार मिला है, उसने मुझे अभिभूत कर दिया है। चाहे वह सिनेमाघरों में आपकी

सीटियां हों या आपके टैग, या इंस्टाग्राम पर स्टोरीज या खूबसूरत कमेंट्स, मैं खुशी से भर गया हूं। मैं तमिल लड़की नहीं हूं। मैं भाषा अच्छी तरह से नहीं बोल सकती। लेकिन आपने जो प्यार मुझ पर बरसाया है, वह अमूल्य है। मुझे विश्वास है कि मैं अपनी फिल्मों के माध्यम से आप सभी के इस प्यार का बदला चुकाऊंगा और आप सभी को गौरवान्वित करूंगा ।ड्रैगन, जिसे गैर-नाट्य प्रदर्शनों से अर्जित धन के कारण रिलीज से पहले ही सफल घोषित कर दिया गया था, ने बहुत मजबूत शुरुआत की है तथा मात्र तीन दिनों में 50 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है।कल्पति एस अघोरम, कल्पति एस गणेश और कल्पति एस सुरेश द्वारा निर्मित इस फिल्म में प्रदीप रंगनाथन ने अनुपमा परमेश्वरन और कयादु लोहार के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म का संगीत लियोन जेम्स ने दिया था और छायांकन निकेत बोम्मी ने किया था।

फिल्म का संपादन प्रदीप ई.राघव ने किया था और स्टंट विक्की और दिलीप सुब्बारायन ने किए थे। फिल्म की कहानी अश्वथ मरीमुथु और प्रदीप रंगनाथन ने मिलकर लिखी थी जबकि संवाद और पटकथा अश्वथ मरीमुथु ने लिखी थी। फिल्म का सह-निर्देशन रमेश नारायणन ने किया था और वेशभूषा दिनेश मनोहरन और प्रवीण राजा ने तैयार की थी।

इंसाफ नहीं, साफ करने आया हूं, सलमान ने सिकंदर का नया टीजर किया रिलीज, बाहुबली के कटप्पा से लेंगे टक्कर

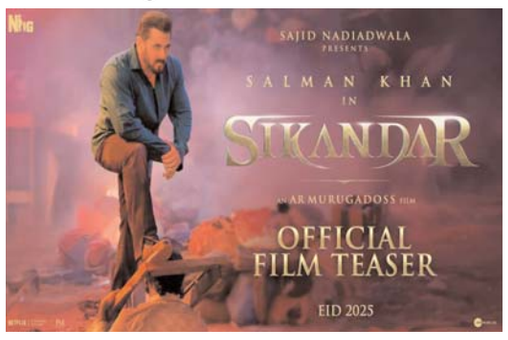

सलमान खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म सिकंदर ईद 2025 पर सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है. फिल्म के रिलीज की तारीख अब तक सामने नहीं आई है. वहीं मेकर्स ने अब सिकंदर का एक नया टीजर रिलीज कर फैंस को बड़ा सरप्राइज दिया है. फिल्म के टीजर में सलमान खान के एक्शन अवतार के साथ रश्मिका मंदाना की झलक भी देखने को मिली है.

सिकंदर के टीजर की शुरुआत एक्शन सीन से होती है जिसमें सलमान खान गुंडों का सूपड़ा साफ करते नजर आते हैं. टीजर में ही सुपरस्टार के सुपर डायलॉग्स सुनने को मिले हैं. वे कहते हैं- इंसाफ नहीं साफ करने आया हूं. कायदे में रहो फायदे में रहो, वरना श्मशान या कब्रिस्तान में रहो. टीजर में लीड एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के भी दो-तीन सीन दिखाए गए हैं.

सिकंदर के टीजर में सलमान खान और रश्मिका मंदाना के डांस सीन को भी ऐड किया गया है. रश्मिका मंदाना भी अपने ग्रेस से स्क्रीन पर अलग ही रौनक बिखेरती हैं. एक तरफ जहां एक्शन और इमोशंस का तूफान चलता है, वहीं रश्मिका की मौजूदगी इसमें एक ताजगी भर देती है.

धनुष ने फैंस को दिया तोहफा, धांसू पोस्टर संग कुबेर की रिलीज डेट अनाउंस

साउथ सुपरस्टार धनुष, नागार्जुन और रश्मिका मंदाना स्टारर कुबेर का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. खासकर कुछ दिन पहले कुबेर की पहली झलक सामने आने के बाद दर्शक इसकी रिलीज डेट का इंतजार कर रहे थे. अब मेकर्स ने ये इंतजार खत्म करते हुए कुबेर की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है. साथ ही एक शानदार पोस्टर भी रिलीज किया है.रश्मिका मंदाना ने हाल ही में अपने ट्वीटर अकाउंट पर कुबेर का धांसू पोस्टर रिलीज किया जिसमें धनुष और नागार्जुन को एक दूसरे के सामने इंटेंस लुक में देखा जा सकता है. उनके बीच में जिम सर्भ खड़े हैं जिनके आसपास बिल्डिंग का गोल स्ट्रक्चर है. पोस्टर पर लिखा है, 20 जून 2025 को सिनेमाघरों में, हैप्पी महाशिवरात्रि. रश्मिका ने कैप्शन लिखा, कुबेर 20 जून को रिलीज हो रही है. कुबेर का फर्स्ट लुक गणेश चतुर्थी पर रिलीज किया गया था जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया. फर्स्ट लुक एक टीजर जैसा ही थी जिसमें धनुष और नागार्जुन अलग ही अवतार में नजर आए, दोनों के कैरेक्टर इंटेंस थे वहीं रश्मिका और पद्मावत फिल्म में अपनी एक्टिंग से दिवाना बनाने वाले जिम सर्भ के किरदारों में भी गंभीरता दिखी. फिल्म के पोस्टर्स में धनुष जहां पूरी दाढ़ी और बढ़े हुए बालों के साथ एक नए लुक में नजर आ रहे हैं, वहीं उनके अजीबोगरीब अपीयरेंस ने सभी को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि फिल्म किस बारे में होगी. दूसरी ओर नागार्जुन अक्किनेनी के किरदार में भी नयापन है. देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म में क्या होने वाला है. कुबेर में धनुष, रश्मिका और नागार्जुन के साथ

दिलीप ताहिल भी खास रोल में हैं. फिल्म को शेखर कम्मुला के साथ एमिगोस क्रिएशन ने प्रोड्यूस किया है वहीं म्यूजिक देवी श्री प्रसाद ने दिया है. इसका निर्देशन शेखर कम्मुला ने किया है.

बॉक्स ऑफिस पर मेरे हस्बैंड की बीवी ने तोड़ा दम, छठे दिन का कारोबार जान लगेगा झटका

अर्जुन कपूर ने लंबे समय से हिट फिल्म का मुंह नहीं देखा हैं। उम्मीद थी कि उनकी फिल्म मेरे हस्बैंड की बीवी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करेगी और इसके जरिए सालों बाद उन्हें एक हिट फिल्म नसीब होगी, लेकिन इसने भी उन्हें निराश कर दिया।पहले दिन से ही यह फिल्म दर्शकों के लिए तरस रही है। फिल्म की कमाई लाखों में सिमटी हुई है।आइए बताते हैं मेरे हस्बैंड की बीवी ने छठे दिन कितने लाख रुपये कमाए।

रजनीकांत की कुली में पूजा हेगड़े की एंट्री, पहली झलक आई सामने

साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म कुली बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक हैं. थलाइवा के इस एक्शन थ्रिलर को लोकेश कनगराज ने डायरेक्ट किया है. इस फिल्म में रजनीकांत, नागार्जुन जैसे बड़े कलाकार शामिल हैं. आज, मेकर्स ने एक नए कलाकार की पहली झलक दिखाई है. जी हां, कुली मेकर्स ने फिल्म से साउथ एक्ट्रेस पूजा हेगड़े का फर्स्ट लुक जारी किया है. पूजा हेगड़े का फर्स्ट लुक सोशल मीडिया पर तहलका मचा रहा है.पूजा हेगड़े, लोकेश कनगराज निर्देशित कलाकारों में शामिल हो गई हैं. गुरुवार को सन पिक्चर्स ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर कुली से पूजा हेगड़े का फर्स्ट लुक जारी किया है, जिसमें वे लोकेश कनगराज निर्देशित फिल्म में अपनी भूमिका का खुलासा करती नजर आ रही हैं. फर्स्ट लुक जारी करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, हां, आपने सही अनुमान लगाया. कुली के सेट पूजा हेगड़े.पोस्टर में पूजा हेगड़े को हॉट रेड कलर के कटआउट गाउन में देखा जा सकता है. खुले बाल और बड़े से इयररिंग्स में पूजा काफी खूबसूरत लग रही हैं. उनके इस लुक की हर कोई तारीफ कर रहा है. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म में पूजा हेगड़े किसी स्पेशल सॉन्ग पर परफॉर्म कर सकती हैं.इससे पहले मेकर्स ने रजनीकांत के बर्थडे पर फिल्म से नए गाने चिकिटू का प्रोमो जारी किया था, जिसने फैंस को खुश कर दिया था. प्रोमो शेयर करते हुए मेकर ने कैप्शन में लिखा है, साउंड अह येथू, देवा वरार, सेलिब्रेट सुपरस्टार, कुली की चिकिटू वाइब के साथ सुपरस्टार रजनीकांत का बर्थडे सेलिब्रेशन.

होली खेलते समय महिलाओं को पहनने चाहिए ऐसे कपड़े, त्योहार का मजा हो जाएगा दोगुना

होली का त्योहार रंगों और खुशियों से भरा होता है, जो 14 मार्च को पड़ रहा है। इस दिन हर कोई अपने दोस्तों और परिवार वालों के साथ मिलकर रंग खेलता है।रंग खेलते समय महिलाओं को ऐसे कपड़े पहनने चाहिए, जो आरामदायक भी हों और उन्हें खूबसूरत भी दिखाएं।इस खास दिन पर आप इन फैशन टिप्स का पालन कर सकती हैं और सही कपड़ों का चयन करके त्योहार के मजे को दोगुना कर सकती हैं।

सफेद कुर्ती चुनें

होली खेलते समय सफेद रंग की कुर्ती पहनना सबसे बढ़िया रहता है। सफेद रंग पर सभी अन्य रंग उभरकर दिखते हैं और यह पारंपरिक लुक भी प्रदान करता है।

आप सूती या खादी कपड़े वाली सफेद कुर्ती चुन सकती हैं। इसे पहनकर आपकी त्वचा को हवा लग सकेगी और आप पूरे दिन आराम भी महसूस करेंगी।इसके साथ आप चूड़ीदार पजामा या प्लाजो पहन सकती हैं, जिन्हें पहनकर चलना-फिरना आसान होता है।

पुरानी जींस पहनें

रंग खेलते समय पुराने कपड़े पहनना समझदारी होती है, क्योंकि गुलाल आदि से कपड़े खराब हो सकते हैं। पुरानी जींस एक अच्छा विकल्प होती है, क्योंकि यह मजबूत होती है और आसानी से धुल जाती है। इसके साथ, आप पुरानी टी-शर्ट या टॉप पहन सकती हैं, जिससे आपका लुक आकर्षक और स्टाइलिश भी लगेगा।

झपुराने कपड़े पहनने से आपको रंगों की चिंता नहीं करनी पड़ेगी और आप बिना किसी झिझक के होली का पूरा

मजा ले सकेंगी।

हल्के दुपट्टे का इस्तेमाल करें

होली के दौरान अपने बालों को सुरक्षित रखने के लिए हल्के दुपट्टे का उपयोग किया जा सकता है। इसे सिर पर बांधकर रखने से आपके बाल रंगों और धूप से बचे रहेंगे।

इसके अलावा, यह आपके लुक में एक खास आकर्षण भी जोड़ देगा। दुपट्टा न केवल बालों को सुरक्षित रखता है, बल्कि आपको धूप से भी बचाता है। आप इसे गले में भी ओढ़ सकती हैं, जिससे एक शानदार लुक मिल जाएगा।

सिंथेटिक कपड़े पहनने से बचें

नायलॉन या पॉलिएस्टर जैसे सिंथेटिक कपड़े होली खेलने के लिए सही नहीं होते हैं। ये त्वचा को हवा नहीं लगने देते और जल्दी सूखते भी नहीं हैं। इन कपड़ों में पसीना अधिक आता है, जिससे असुविधा होती है। इसलिए, होली खेलते समय सूती या खादी जैसे प्राकृतिक कपड़ों का चयन करना चाहिए, जो आपकी त्वचा को आराम दे सकें।ये कपड़े हल्के होते हैं और हवादार भी होते हैं, जिससे आपका लुक आकर्षक बन सकता है।

कौन सी टी-शर्ट पहनें? कंफ्यूज हैं? ये ऑप्शन आपको देंगे स्टाइलिश लुक

हर लड़की चाहती है कि वह अपने लुक को सबसे अलग और खूबसूरत बनाए. लेकिन जब बात आती है जीन्स के साथ सही टॉप या टी-शर्ट पहनने की, तो अक्सर हम कंफ्यूज हो जाते हैं. अगर आप भी क्रॉप टॉप, ऑफ-शोल्डर या नॉर्मल स्टाइल की टी-शर्ट पहनकर बोर हो गई हैं, तो अब कुछ नया ट्राई करने का समय आ गया है. यहां हम आपको कुछ ऐसे ट्रेंडी और कंफर्टेबल टी-शर्ट डिजाइन्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें पहनकर आप अपने लुक में चार चांद लगा सकती हैं.

प्रिंटेड प्योर कॉटन टी-शर्ट

आप अपने लुक में थोड़ा फन और कूलनेस एड करना चाहती हैं, तो प्रिंटेड प्योर कॉटन टी-शर्ट बेस्ट ऑप्शन है. खासतौर पर आपको कार्टून प्रिंट्स या ग्राफिक डिजाइन्स पसंद हैं, तो इस तरह की टी-शर्ट आपके कैजुअल लुक को और भी स्टाइलिश बना सकती हैं. इसे पहनकर आप दोस्तों के साथ आउटिंग या कॉलेज में कंफर्टेबल फील करेंगी. ये ऑनलाइन आपको आसानी से मिल जाएगी.

वी-नेक कॉटन टी-शर्ट

आप कुछ सिंपल, लेकिन स्टाइलिश ट्राई करना चाहती हैं, तो ग्रीन कलर की वी-नेक कॉटन टी-शर्ट बेस्ट चॉइस हो सकती है. इसे आप ब्लैक जीन्स के साथ पेयर कर सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी क्लासी लगेगा. ये ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह आसानी से मिल जाती हैं और कीमत भी ज्यादा नहीं होती, लगभग 300 रुपये तक में इसे खरीदा जा सकता है.

कैजुअल वी-नेक टी-शर्ट

जो लड़कियां ज्यादा एक्सपेरिमेंट नहीं करना चाहतीं, लेकिन फिर भी स्टाइलिश दिखना चाहती हैं, उनके लिए वी-नेक कैजुअल टी-शर्ट परफेक्ट ऑप्शन हो सकती है. इसे पहनकर आप कॉलेज जा सकती हैं या दोस्तों के साथ घूमने जा सकती हैं. यह लाइटवेट और कंफर्टेबल होती है, जिसे आप किसी भी सीजन में पहन सकती हैं.

ओवरसाइज्ड प्योर कॉटन टी-शर्ट

अगर आपको कंफर्ट और स्टाइल दोनों चाहिए, तो ओवरसाइज्ड प्योर कॉटन टी-शर्ट एकदम बेस्ट रहेगी. ड्रॉप-शोल्डर स्लीव्स वाली ये टी-शर्ट आपको मॉडर्न और स्टाइलिश लुक देगी. इसे आप जीन्स के साथ पहन सकती हैं और ऑफिस या कॉलेज के लिए भी इस्तेमाल कर सकती हैं. यह आपको ऑनलाइन 300 रुपये तक की रेंज में मिल सकती है.

अगर आप अपने जीन्स लुक को बोरिंग बनाने के बजाय कुछ नया ट्राई करना चाहती हैं, तो ये स्टाइलिश और ट्रेंडी टी-शर्ट ऑप्शन आपके लिए परफेक्ट हैं. आप अपनी पर्सनैलिटी के हिसाब से इनमें से कोई भी टी-शर्ट चुन सकती हैं और अपने लुक को एक नया ट्विस्ट दे सकती हैं. अगली बार जब भी शॉपिंग करें, इन ट्रेंडी टी-शर्ट को अपने कलेक्शन में जरूर शामिल करें.

वैलेंटाइन डे पर पति ने गिफ्ट की लग्जरी पोर्श कार, पत्नी ने ठुकराया तो कूड़ेदान में फेंक दी गाड़ी

मॉस्को (ए.)। रूस के मॉस्को के पास मायटिश्ची शहर में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक व्यक्ति ने वैलेंटाइन डे पर अपनी पार्टनर को 96 लाख रुपये से डेढ़ करोड़ रुपये की लग्जरी पोर्श मैकन कार उपहार में दी, लेकिन महिला ने इसे लेने से इनकार कर दिया। गुस्से में आकर शख्स ने उस महंगी गाड़ी को ही कूड़ेदान में फेंक दिया। यह अनोखी घटना सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और लोगों को आश्चर्यचकित कर रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वैलेंटाइन डे पर एक रूसी व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ रिश्तों को सुधारना चाहता था, इसलिए उसने उन्हें एक नई पोर्श मैकन कार गिफ्ट करने का फैसला किया। हालांकि, पत्नी ने इस महंगे उपहार को प्यार की निशानी मानने के बजाय इसे अपमान के रूप में लिया और कार लेने से साफ इनकार कर दिया।

पत्नी के इस व्यवहार से निराश होकर, व्यक्ति ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए ब्रांड न्यू पोर्श मैकन कार को पास के ही एक कूड़ेदान में फेंक दिया। रिपोर्टों में कहा गया है कि कार पूरे 12 दिनों तक कूड़ेदान में पड़ी रही, और यह स्पष्ट नहीं है कि मालिक ने अब कार को वापस पाने का कोई प्रयास किया है या नहीं।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर हैंडल ने इस घटना की तस्वीर साझा की है। कैप्शन में लिखा है, रूसी व्यक्ति ने पोर्श मैकन को फेंक दिया क्योंकि उसके प्यार ने वेलेंटाइन डे पर इस गिफ्ट को ठुकरा दिया था। इस पोस्ट को इंटरनेट पर जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है, 600 से अधिक लाइक्स और 50 से अधिक कमेंट्स प्राप्त हुए हैं। इंटरनेट यूजर्स ने इस घटना पर अपनी हैरानी और तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं व्यक्त की हैं। एक यूजर ने मजाकिया अंदाज में लिखा, अगर अगली बार किसी को ऐसे गिफ्ट पसंद न आएं तो कृपया मुझे भेज दें। एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, उसे कहें कि इस गाड़ी को मेरे खर्चे पर मुझे भेज दें।

जुमे की नमाज के दौरान आत्मघाती हमले में 5 की मौत, 20 घायल

-जेयूआई-एस नेता हक की मौत

पेशावर,(ए.)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के नौशेरा जिले में शुक्रवार की नमाज के दौरान एक आत्मघाती हमला हुआ है, जिसमें 5 की मौत और 20 लोग जख्मी हो गए। दारुल उलूम हक्कानिया में हुए धमाके में जेयूआई-एस नेता मौलाना हामिद-उल-हक हक्कानी समेत कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई। यह धमाका अकोरा खट्टक स्थित मदरसा-ए-हक्कानिया में जुमे की नमाज के दौरान हुआ।

घटना की जानकारी दे रहे खैबर पख्तूनख्वा के मुख्य सचिव शाहब अली शाह ने बताया कि आत्मघाती विस्फोट में मदरसे के केयरटेकर और जमीयत उलेमा इस्लाम (सामी समूह) के प्रमुख हामिद-उल-हक हक्कानी की मौत हो गई। खैबर पख्तूनख्वा के आईजीपी जुल्फिकार हमीद के हवाले से बताया गया है कि धमाके के पीछे आत्मघाती बम होने का शक है, जिसके जरिए हामिद-उल-हक को निशाना बनाया गया था। उन्होंने बताया कि हक की सुरक्षा में छह सुरक्षा गार्ड मुहैया कराए गए थे। धमाके के बाद बचाव व सुरक्षा दल घटनास्थल पर पहुंचे और शवों व घायलों को अस्पताल में पहुंचाने का काम किया है। आत्मघाती हमले को देखते हुए नौशेरा और पेशावर दोनों अस्पतालों में आपातकाल घोषित कर दिया गया। अस्पताल के सूत्रों का कहना था कि कम से कम 20 लोग घायल अवस्था में लाए गए हैं और 05 शव भी लाए गए हैं।

सीएम और राज्यपाल ने की हमले की निंदा

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंदापुर और राज्यपाल फैसल करीम कुंदी ने जुमे की नमाज के दौरान किए गए आत्मघाती हमले की निंदा की है। इसके साथ ही जेयूआईएफ नेताओं ने घायलों के लिए रक्तदान की अपील भी की है।

बस बहुत हुआ', कनाडा के सवाल पर भड़के डोनाल्ड ट्रंप; बीच में ही रोका सवाल

वाशिंगटन ,(आरएनएस)। अमेरिका दौरे पर पहुंचे ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्हाइट हाउस में बैठक की। इस मुलाकात में दोनों नेताओं ने यूक्रेन युद्ध और द्विपक्षीय व्यापार संबंधों पर चर्चा की। बैठक के बाद व्हाइट हाउस में आयोजित साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक रिपोर्टर ने प्रधानमंत्री स्टार्मर से कनाडा को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप के बयानों पर चर्चा करने संबंधी सवाल पूछा।

इस पर ट्रंप ने सवाल रोका और रिपोर्टर से कहा बस बहुत हो गया। रिपोर्टर के सवाल पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री स्टार्मर ने कहा, मुझे लगता है कि आप हमारे बीच एक ऐसा विभाजन खोजने की कोशिश कर रहे हैं जो मौजूद ही नहीं है। ब्रिटेन और अमेरिका सबसे करीबी मित्र राष्ट्र हैं, और हमारी बातचीत सकारात्मक रही। हालांकि, हमने कनाडा को लेकर कोई चर्चा नहीं की।

लेकिन जैसे ही स्टार्मर अपना जवाब दे रहे थे, राष्ट्रपति ट्रंप ने बीच में ही हस्तक्षेप करते हुए रिपोर्टर को रोक दिया और कहा, बस बहुत हो गया, अब और नहीं। प्रधानमंत्री स्टार्मर और राष्ट्रपति ट्रंप की बैठक में मुख्य रूप से यूक्रेन संकट और व्यापारिक संबंधों पर बातचीत हुई। ट्रंप ने दावा किया कि अगर वे राष्ट्रपति होते तो यह युद्ध कभी नहीं होता।

उन्होंने कहा, मृत्यु के इस चक्र को समाप्त करने के लिए मैंने राष्ट्रपति पुतिन के साथ ऐतिहासिक बातचीत की, जो बहुत सफल रहीं। राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ भी हम युद्ध को समाप्त करने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब वैश्विक स्तर पर यूक्रेन संकट को लेकर गहन कूटनीतिक प्रयास जारी हैं।

दक्षिण कोरिया : सड़कों पर उतरेंगे हजारों लोग, यून के पक्ष और विपक्ष में होंगी रैलियां

सोल ,(आरएनएस)। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल के महाभियोग के पक्ष में या उसके खिलाफ शनिवार को बड़े पैमाने पर रैलियां होने जा रही हैं।

सोल मेट्रोपॉलिटन पुलिस एजेंसी के अनुसार, ग्वांगह्वामुन, जोंगनो और योईदो सहित मध्य सोल में रैलियां आयोजित की जाएंगी। इनके चलते पुलिस और सोल शहर की सरकार को यातायात और भीड़ नियंत्रण के लिए बड़े कदम उठाने होंगे।

इस सप्ताह की शुरुआत में यून के महाभियोग परीक्षण की सुनवाई पूरी होने के साथ ही राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ गया है। संवैधानिक न्यायालय को यह तय करना है कि यून को पद से हटाया जाए या उन्हें बहाल किया जाए। न्यायालय मार्च के मध्य में फैसला सुना सकता है।

कैंडललाइट एक्शन, एक प्रगतिशील नागरिक समूह, दोपहर 2 बजे अंगुक स्टेशन के पास एक चौराहे पर राष्ट्रीय %कैंडललाइट सांस्कृतिक उत्सव% आयोजित करेगा। मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी और चार अन्य विपक्षी दल उसी जगह पर दोपहर 3ः30 बजे यून के महाभियोग की मांग करते हुए रैली आयोजित करेंगे, और शाम 5 बजे प्रदर्शनकारी एक साथ मार्च करेंगे। रूढ़िवादी कार्यकर्ता पादरी जीन क्वांग-हून के नेतृत्व में रैलियां दोपहर 1 बजे मध्य सोल के ग्वांगह्वामुन क्षेत्र के पास होंगी। जहां यून के महाभियोग का विरोध किया जाएगा और संवैधानिक न्यायालय की ओर मार्च किया जाएगा। योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया कि इसके अलावा, एक अन्य रूढ़िवादी ईसाई समूह, सेव कोरिया, प्रार्थना सभा करेगी जो योइदो को मापो ब्रिज से जोड़ने वाली सड़क के पास आयोजित होगी।

इस बार बकरीद पर ना दें कुर्बानी, जानिए इस्लामिक देश ने क्यों जारी किया ये फरमान

मोरक्को ,(आरएनएस)। इस्लामिक देश उत्तर अफ्रीकी मोरक्को के राजा ने लोगों से इस साल बकरीद यानी ईद-उल-अज़हा के मौके पर धार्मिक त्यौहार के दौरान भेड़ों की कुर्बानी नहीं देने का आह्वान किया है। राजा मोहम्मद-VI ने अपने देश के लोगों से कहा है कि देश लगातार सातवें साल सूखे की मार झेल रहा है। इस वजह से देश में पशुधन की आबादी कम हो गई है और मांस की कीमतें बढ़ गई हैं।

ईद-उल-अज़हा के दौरान हर साल दुनिया भर में बसे मुसलमान लाखों भेड़, बकरियों और अन्य पशुओं की बलि देते हैं। इस साल ईद-उल-अज़हा 6 जून या 7 जून को मनाया जाएगा। यह इस्लाम के दो प्रमुख त्योहारों में से एक है। इस्लामिक मान्यता के अनुसार, ईद-उल-अज़हा हजरत इब्राहिम की कुर्बानी की याद में मनाया जाता है। इसे बकरीद, ईद उल जुहा, बकरा ईद अथवा ईद उल बकरा के नाम से भी जाना जाता है। बकरीद के मौके पर नमाज पढ़ने के साथ-साथ जानवरों की कुर्बानी देने

की प्रथा है। कुर्बानी के बाद मुस्लिम समुदाय उस मांस को अपने परिजनों के बीच बांटकर खाता है और एक हिस्सा गरीबों में भी दान करता है। बुधवार को राष्ट्रीय टेलीविजन पर धार्मिक मामलों के मंत्री द्वारा पढ़े गए राजा मोहम्मद VI के भाषण में कहा गया है, हमारा देश जलवायु और आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप पशुधन में काफी गिरावट आई है। इसलिए ईद पर पशुओं की कुर्बानी से बचें। ईद के त्यौहार के महत्व को स्वीकार करते हुए, राजा ने अपने लोगों से कुर्बानी की रस्म निभाने से परहेज करने का आह्वान किया। मोहम्मद VI के पिता हसन II ने 1966 में भी इसी तरह का आह्वान किया था, जब देश में लंबे समय तक सूखा पड़ा था। पशुधन की संख्या में गिरावट के कारण मांस की कीमतों में उछाल आया है – जिससे गरीबों पर बोझ बढ़ गया है, जिनकी न्यूनतम मजदूरी लगभग 290 यूरो प्रति माह है। मोरक्को इस बार लगातार सातवें साल सूखे का सामना कर रहा है। इस वजह से वहां 12 महीनों में पशुधन की संख्या में 38 फीसदी की गिरावट आई है। मोरक्को के कृषि मंत्रालय के अनुसार, पिछले 30 वर्षों के औसत से 53 फीसदी कम बारिश हुई है।

खेल समाचार

डोपिंग प्रतिबंध के कारण सिनर का लॉरियस नामांकन रद्द

नईदिल्ली, (आरएनएस)। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अकादमी ने घोषणा की है कि वह 2025 के लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए इतालवी टेनिस खिलाड़ी जानिक सिनर का नामांकन वापस ले रही है।

यह निर्णय हाल ही में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) द्वारा इतालवी खिलाड़ी पर लगाए गए तीन महीने के निलंबन के बाद लिया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार नामांकन पैनल को भेजे गए ईमेल में अकादमी ने बताया कि मामले से जुड़ी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, निलंबन ने सिनर के नामांकन को अयोग्य बना दिया।

लॉरियस अकादमी द्वारा चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया है कि इस वर्ष के लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए जानिक सिनर का नामांकन वापस लिया जाता है। हमने इस मामले में संबंधित वैश्विक निकायों के निर्णयों का अनुसरण किया है और - यद्यपि हम इसमें सम्मिलित परिस्थितियों को देखते हैं - हमारा मानना है कि तीन महीने का प्रतिबंध नामांकन को अयोग्य बनाता है। जानिक और उनकी टीम को सूचित कर दिया गया है।

इस महीने की शुरुआत में, वाडा ने खुलासा किया कि मार्च 2024 में क्लोस्टेबोल के लिए सकारात्मक परीक्षण के बाद सिनर ने एक मामले के समाधान समझौते में प्रवेश किया था।

तीन बार के ग्रैंड स्लैम विजेता ने तीन महीने के प्रतिबंध को मानते हुए स्वीकार किया कि हालांकि उन्होंने जानबूझकर प्रतिबंधित पदार्थ का उपयोग नहीं किया और अपने प्रदर्शन में इससे कोई लाभ नहीं उठाया, एथलीट अंततः अपने सहायक कर्मियों के कार्यों के लिए जिम्मेदार हैं। वाडा ने तीन महीने के निलंबन को उचित मंजूरी माना।

जनवरी में 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने वाले सिनर को 9 फरवरी से 4 मई तक तीन महीने का प्रतिबंध झेलना होगा, चार दिन पहले ही अंतिम निलंबन के तहत काटे जा चुके हैं, और उन्हें 13 अप्रैल से प्रशिक्षण पर लौटने की अनुमति दी जाएगी।

4 मई को उनकी वापसी उन्हें रौलां गैरो में सीजन के दूसरे ग्रैंड स्लैम में भाग लेने की अनुमति देगी, जो 19 मई से 8 जून तक पेरिस, फ्रांस में होने वाले फ्रेंच ओपन का स्थल है।

जनवरी में 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने वाले सिनर को 9 फरवरी से 4 मई तक तीन महीने का प्रतिबंध झेलना होगा, चार दिन पहले ही अंतिम निलंबन के तहत काटे जा चुके हैं, और उन्हें 13 अप्रैल से प्रशिक्षण पर लौटने की अनुमति दी जाएगी।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025: न्यूजीलैंड के खिलाफ शुभमन गिल कर सकते हैं भारत की कप्तानी

नईदिल्ली, (आरएनएस)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय क्रिकेट टीम का अगला मुकाबला न्यूजीलैंड के खिलाफ होना है। यह मैच आगामी 2 मार्च को खेला जाएगा। इससे पहले खबर आई है कि इस मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा नहीं खेलेंगे, उनकी जगह शुभमन गिल टीम की कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। बता दें, रोहित को पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट हुई थी, जिस कारण उनके मैच से बाहर होने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार के प्रैक्टिस सत्र के दौरान भी रोहित ने अभ्यास नहीं किया। हालांकि, वे मैदान पर थे और वे मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ रणनीति बनाते हुआ काफी समय बिताया। बताया जा रहा है कि रोहित की चोट उतनी भी गंभीर नहीं है, लेकिन फिर भी उन्हें न्यूजीलैंड मैच के लिए आराम दिया जा सकता है।बता दें, गिल भारतीय टीम के उपकप्तान हैं।इस टूर्नामेंट में भारत के पास कोई बैकअप ओपनर बल्लेबाज नहीं है। पहले टीम में यशस्वी जायसवाल थे, लेकिन अंतिम समय में उनकी जगह स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को टीम में शामिल किया गया।रोहित अगर अगला मैच नहीं खेलते हैं तो उनकी जगह ऋषभ पंत या वाशिंगटन सुंदर को शामिल किया जा सकता है। रिपोर्ट्स हैं कि मैच से पहले दोनों बाएं हाथ के बल्लेबाजों ने नेट पर काफी समय बिताया है।

इंग्लैंड को हराकर आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी दक्षिण अफ्रीका

दोपहर 2:30 बजे से होगा मुकाबला

कराची (ए)। दक्षिण अफ्रीका की टीम शनिवार को यहां होने वाले चैम्पियंस ट्रॉफी ग्रुप बी के अंतिम लीग मैच मुकाबले में इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका टीम का पलड़ा भारी है क्योंकि इंग्लैड की टीम का प्रदर्शन अब तक उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है और वह अपने दोनो ही मैच हारी है। पहले मैच में उसे ऑस्ट्रेलिया जबकि दूसरे मैच में अफगानिस्तान ने हराया। दक्षिण अफ्रीका ने अभी तक इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। उसके अधिकतर खिलाड़ी भी लय में हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड की बल्लेबाज जो रुट पर ही टिक है। अन्य बल्लेबाज अब तक असफल रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने अभी तक केवल एक मैच ही खेला है जिसमें उसने अफगानिस्तान को 107 रन के बड़े अंतर से हराया था। इस मैच में उसके बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन ने शतक लगाया, जबकि कप्तान टेम्बा बावुमा, रासी वान डेर डुसेन और एडेन मार्क्रम ने अर्धशतक लगाये, जिससे दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 315 रन बनाए और इसके बाद अफगानिस्तान को 208 रन पर ही समेट दिया। वहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसका मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। दक्षिण अफ्रीका की टीम के खिलाफ जो बात जा रही है वह ये है कि वह बड़े मुकाबलों में दबाव का सामना करते हुए बिखर

जाती है हालांकि आईसीसी की प्रतियोगिताओं में उसका प्रदर्शन अच्छा रहा है पर पिछले एक साल में वह उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी है। दक्षिण अफ्रीका को पिछले 12 एकदिवीसयय मैच में से आठ में हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले पाकिस्तान में खेली गई त्रिकोणीय सीरीज में भी दक्षिण अफ्रीका फाइनल में जगह नहीं बना पायी थी। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ मैच में उसको अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखनी होगी क्योंकि इंग्लैंड की टीम जीत के साथ ही अपने अभियान का समापन करना चाहेगी। पहले ही सेमीफाइनल से बाहर होने के कारण उस पर किसी भी प्रकार का मनोवैज्ञानिक दबाव भी नहीं रहेगा। उसकी कमजोर कड़ी ये है कि रूट को छोड़कर कोई भी खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरा हुआ नहीं दिखता है। चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले भारतीय टीम के खिलाफ तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज में उसे सभी मैच में हार का सामना करना पड़ा था। उसकी टीम को हार के इस क्रम को तोड़ने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। अफगानिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में रूट ने 120 रन की शानदार पारी खेली थी पर उसके बाद भी अन्य बल्लेबाज लक्ष्य हासिल नहीं कर पाये। वहीं पहले मैच में उसके गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 300 से अधिक बड़े लक्ष्य का बचाव भी नहीं कर पाये।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

इंग्लैंड : जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, हैरी ब्रूक, रेहान अहमद, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

दक्षिण अफ्रीका : टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी ज़ोरज़ी, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्क्रम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कैगिसो रबाडा, रेयान रिकेलटन, तबरेज़ शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, कॉर्बिन बॉश।

बून अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया बोर्ड के सदस्य बनेंगे : बेयर्ड

सिडनी (ए)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेविड बून अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के बोर्ड में शामिल होंगे। बून अभी आईसीसी मैच रेफरी हैं पर वह अपना पद चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद छोड़ देंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार बून मार्च के अंत में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के बोर्ड में शामिल होंगे। बून अभी तस्मानिया बोर्ड के अध्यक्ष हैं और उन्हें सीए के निवर्तमान अध्यक्ष पॉल ग्रीन की जगह शामिल किया जाएगा। इसी को लेकर सीए के अध्यक्ष माइक बेयर्ड कहा, ''बून एक खिलाड़ी और क्रिकेट प्रशासक के रूप में अपने लंबे अनुभव को लेकर सीए बोर्ड में आएंगे।

रिजवान बोले, फखर और अयूब के नहीं होने से हारे

रावलपिंडी (ए)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में टीम के खराब प्रदर्शन की बात स्वीकार करते हुए कहा कि दो प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण

टीम को हार का सामना करना पड़ा है। पाक टीम टूर्नामेंट में अपने दोनो मैच हारकर शुरुआत में ही सेमीफाइल की दौड़ से बाहर हो गयी जिससे कारण टीम की जमकर आलोचना हो रही है। इसी को लेकर अब रिजवान ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि सैम अयूब और फखर जमान जैसे स्टार खिलाड़ियों के नहीं होने से टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी। अयूब और फखर चोटिल होने के कारण पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो गये थे।

अयूब टखने में चोट की वजह से बाहर हो गए थे। वहीं फखर न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मुकाबले में चोटिल हुए थे।पाकिस्तान को चैंपियंस ट्रॉफी में लीग के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड से और दूसरे मैच में भारत से हार का सामना करना पड़ा जबकि उसका बांग्लादेश के खिलाफ तीसरा लीग मुकाबल बारिश के हो रद्द हो गया।रिजवान ने कहा कि हम अपने खराब प्रदर्शन से दुखी हैं क्योंकि हमने अपने प्रशंसकों की उम्मीदें तोड़ी हैं।

गेल, बेन ने वेस्टइंडीज मास्टर्स को दूसरी जीत दिलाई

नवी मुंबई, (आरएनएस)। क्रिस गेल, ड्वेन स्मिथ, सुलेमान बेन और रवि रामपाल ने समय को पीछे मोड़ दिया, क्योंकि वेस्टइंडीज मास्टर्स ने गुरुवार रात को यहां उद्घाटन इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) में इंग्लैंड मास्टर्स को आठ रन से हराकर अपनी दूसरी जीत दर्ज की।

डीवाई पाटिल स्टेडियम में पुरानी यादें ताजा हो गईं, जब वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के दिग्गज खिलाड़ी उद्घाटन आईएमएल के पांचवें मैच के लिए फ्लडलाइट में एकत्र हुए, जिसमें वेस्टइंडीज मास्टर्स ने हरफनमौला प्रदर्शन किया। क्रिस गेल और ड्वेन स्मिथ ने कैरेबियाई प्रतिभा को फिर से जगाया, एक निडर आक्रमण की शुरुआत की, जिसने वेस्टइंडीज को बल्लेबाजी के लिए बुलाए जाने के बाद सिर्फ सात ओवर में 77 रनों की धमाकेदार ओपनिंग साझेदारी करने में मदद की।

ब्रायन लारा की जगह वेस्टइंडीज मास्टर्स के कप्तान बने गेल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 19 गेंदों पर 39 रन बनाए, जबकि स्मिथ ने अपने बाएं हाथ के साथी के साथ शॉट दर शॉट खेलते हुए 25 गेंदों पर 35 रन बनाए। गेल ने ज्यादातर बाउंड्री लगाई और गेंदबाजों को चार बड़े छक्के और तीन चौके लगाए, जबकि स्मिथ ने चार चौके और दो छक्के जड़े।

लेकिन जैसे ही विंडीज अजेय लग रही थी, इंग्लिश स्पिनरों ने ब्रेक लगा दिया और कुछ ही समय में शीर्ष पांच विकेट चटका लिए। लेग स्पिनर क्रिस स्कोफील्ड ने तेजी से आगे बढ़ते हुए तीन गेंदों के अंतराल में शुरुआती साझेदारी को तोड़कर खेल को बराबरी पर ला दिया। बाएं हाथ के स्पिनर मोंटी पनेसर ने इसके बाद लगातार तीन विकेट झटके जिससे वेस्टइंडीज की स्कोरिंग दर और कम हो गई, क्योंकि कैरेबियाई टीम, जिसने 10 ओवर में 2 विकेट पर 90 रन बनाए थे, 15 ओवर में 5 विकेट पर 113 रन पर सिमट गई। हालांकि, देवनारायण और एश्ले नर्स के आने से गति बदल गई क्योंकि दोनों ने कई आकर्षक स्ट्रोक के साथ विपक्षी टीम पर आक्रमण को वापस ले लिया और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने छठे विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी करके पारी को अंतिम समय में गति प्रदान की।

रूसी शतरंज के दिग्गज बोरिस स्पैस्की का 88 वर्ष की आयु में निधन

नईदिल्ली,(आरएनएस)। रूसी शतरंज के दिग्गज और दसवें विश्व शतरंज चैंपियन बोरिस स्पैस्की का गुरुवार को 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया, रूसी शतरंज महासंघ ने यह जानकारी दी है।

स्पैस्की का जन्म 1937 में लेनिनग्राद में हुआ था और उन्हें कम उम्र से ही शतरंज के प्रतिभाशाली खिलाड़ी के रूप में पहचाना जाता था। उन्होंने 5 साल की उम्र में खेलना शुरू किया, 16 साल की उम्र में इंटरनेशनल मास्टर बन गए और दो साल बाद विश्व जूनियर चैंपियन बन गए। वे शतरंज के राजकुमार का खिताब जीतने वाले पहले सोवियत खिलाड़ी बन गए।

एक महान व्यक्ति ने हमें छोड़ दिया है। शतरंज के खिलाड़ियों की कई पीढ़ियों ने उनके खेलों का अध्ययन किया है और आगे भी करते रहेंगे। यह

हमारे देश के लिए बहुत बड़ी क्षति है। उनके परिवार और दोस्तों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं । उनकी स्मृति उज्ज्वल रहे!

उन्होंने 18 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर का खिताब जीता और 1956 (एम्स्टर्डम) में 19 साल की उम्र में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में पदार्पण किया।

शतरंज की दुनिया 10वें विश्व चैंपियन और अब तक के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक बोरिस स्पैस्की के निधन पर शोक मना रही है। एक सच्चे प्रतिभाशाली खिलाड़ी, स्पैस्की 18 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर बन गए और 1969 में विश्व शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीता।

फिडे ने कहा, अपनी सार्वभौमिक खेल शैली और अविस्मरणीय मैचों के लिए माने जाने वाले स्पैस्की ने खेल पर एक अमिट छाप छोड़ी। पेट्रोसियन के साथ उनकी ऐतिहासिक लड़ाइयों से लेकर फिशर के खिलाफ शताब्दी के महान मैच तक, उनकी विरासत हमेशा दुनिया भर के शतरंज खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी। शांति से आराम करें, बोरिस स्पैस्की। शतरंज में आपके योगदान को कभी नहीं भुलाया जाएगा।

7 मार्च से लग रहे हैं होलिकाष्टक, पलाश में भरपूर हैं आए हैं फूल

-प्राकृतिक रंगों से रंग बनाने वालों को रहती है प्रतिक्षा हर तरफ छाई हुई है पुष्पों की प्राकृतिक लालिमा

नर्मदापुरम (रश्मि गौड़)। हर वर्ष की तरह फागुन माह में पलाश में सुर्ख लाल रंग के फूल हर तरफ नजर आ रहे हैं। पलाश के फूल खिले हुए हैं। जिससे हर तरफ प्राकृतिक लालिमा छाई हुई है। बसंत में बहार आई हुई है। हिंदू पंचांग के अनुसार इस साल होलाष्टक की शुरुआत 7 मार्च शुक्रवार से हो रही है और समापन 13 मार्च 2025 दिन गुरुवार को होलिका दहन के साथ होगा। होली 12 दिन ही शेष बचे हैं। 6 दिन बाद होलिकाष्टक शुरू हो जाएंगे। पलाश के पेड़ों में इस वर्ष कुछ दिन पूर्व से ही फूल आ रहे हैं। इससे पलाश के रंग से प्राकृतिक रंग बनाकर होली खेलने वालों को समय पर फूल की उपलब्धता हो रही है। शहर के गुरूकुल परिवार तथा अन्य लोग जो पलाश के फूलों से रंग बनाते हैं उन्हें इस बार होली से पूर्व ही पर्याप्त समय में फूल मिल रहे हैं। महाशिवरात्रि के अवसर पर तिलक सिंदूर में पलास के फूलों से महादेव के मंदिर को सजाया गया।

होली आने का संकेत देते हैं पलाश

पलाश के फूल होली आने का संदेश देते हैं। प्रकृति भी रंग बिरंगे फूलों से होली खेलती है। होली और पलाश के फूलों का एक अलग ही रिश्ता है। जानकार लोगों के अनुसार पलास के फूल के रंग से होली खेलने से शारीरिक ऊर्जा मिलती है। इस बार पलाश में जमकर फूल आए हैं। जो प्रकृति प्रेमी को लुभा रहे हैं।

जंगल में बढ़ गई है शोभा

जंगल में पतझड़ से खाली होते पेड़ों के बीच पलाश के फूलों से रंगत बन बनी हुई है। इनके सुंदर केसरी फूल जंगल की शोभा बढ़ा रहे हैं। चाहे सतपुड़ाचंल हो या विंध्याचल के पर्वत हर तरफ पेड़ों पर फूल नजर आए हैं।

रंग बना कर खेतले हैं होली

पलाश के फूलों से कुछ लोग रंग बना कर होली खेलते आ रहे हैं। इनकी पत्तियों का इस्तेमाल गुलाल आदि बनाने के लिए भी होता है। गर्मियों की शुरुआत में पलाश की आभा जंगल भी शोभा होती है। बताया जाता है कि पलाश के रंग से प्रतिरोधात्मक क्षमता बढ़ती है इस कारण भी पलाश के रंग से होली खेली जाती है।

तापमान का असर

पलाश के पेड़ को लगातार 30 डिग्री तापमान मिलने पर फूल आते हैं। यह तापमान एक पखवाड़े से अधिक समय पूर्व से होता तो तब फूल आने लगते। ऐसा मौसम इस बार समय पर रहने से अच्छी मात्रा में फूल आ चुके हैं।पलाश का फूल उत्तर प्रदेश और झारखण्ड का राज्य पुष्प है।

पलास में वैसे तो तीन तरह के फूल आते हैं लेकिन ज्यादातर दो प्रकार के ही मिलते हैं।एक सुर्ख लाल, दूसरा सफेद तथा तीसरा पीला भी फूल आता है जो कम ही जगह देखने को मिलता है। लाल फूलों वाले पलाश का वैज्ञानिक नाम ब्यूटिया मोनोस्पर्मा है। सफेद पुष्पो वाले लता पलाश को औषधीय दृष्टिकोण से अधिक उपयोगी माना जाता है। वैज्ञानिक दस्तावेज़ों में दोनो ही प्रकार के लता पलाश का वर्णन मिलता है। पीले पुष्प का उपयोग तांत्रिक गति.विधियों में भी बहुतायत से किया जाता है। पलाश की पत्तियों का उपयोग वैवाहिक कार्यक्रमों मे मंडपाच्छादन के लिए और मेहमानों को भोजन कराने के लिए दोना पत्तल के रूप में बहुत प्रचलित था। यह गांव मे सस्ते इंधन का विकल्प है और जलाऊ लकड़ी के रूप में उपयोग होता है। पलाश के फूलों का रस तितली, मधुमक्खियों बंदरों के अलावा बच्चों को भी बहुत मधुर लगता है। इसके फूलों के गहने बच्चों को बहुत भाते हैं।

कृषि उपज मंडी में हाई राइज शेड निर्माण का हुआ भूमि पूजन

नर्मदापुरम (निप्र)। फल सब्जी मंडी प्रांगण नर्मदापुरम में हाई राइज शेड निर्माण का भूमि पूजन मध्य प्रदेश तैराकी संघ अध्यक्ष व पूर्व में मंडी अध्यक्ष रहे पियूष शर्मा के मुख्यातिथ्य में हुआ। भूमि पूजन कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, कार्यपालन यंत्री पीएल घाघरे, सहायक यंत्री श्रीमति रेखा साहू तकनीकी सम्भाग नर्मदापुरम, पूर्व मंडी सचिव एके परिहार व वर्तमान सचिव मंडी इटारसी, कृषि उपज मंडी के सचिव बी एल त्यागी, शिवलाल चौधरी उपयंत्री, के साथ ही कृषि उपज मंडी परिवार के विनोद रैकवार, संदीप मालवीय, सुनील, ठेकेदार जे के वाधवानी व अनेक व्यापारी उपस्थित रहे। पूजा अर्चना पं सुनील भार्गव ने कराई।

व्यापारियों व किसानों को मिलेगा लाभ

मुख्यालय की कृषि उपज मंडी के सचिव श्री त्यागी व पूर्व सचिव वर्तमान इटारसी सचिव श्री परिहार ने बताया कि मंडी के शेड की संख्या बढ़ने से इस क्षेत्र के किसानों व व्यापारियों को सीधा लाभ मिलेगा।उल्लेखनीय है कि पूर्व में सब्जी व्यापारी यहां पर सब्जी मंडी में आना नहीं चाहते थे। पुरानी मंडी में ही दुकान लगाने के पक्षधर थे। लेकिन जब से यहां पर सब्जी मंडी शुरू हुई सभी वर्ग खासकर थोक सब्जी व्यापारियों व फुटकर व्यापारियों को अच्छा लाभ और सहुलित हुई है। अब और शेड बनने से व्यापारियों को लाभ मिलेगा। हालाकि अभी मंडी में और भी सुविधाओं की अपेक्षा है।

शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य अनुसार राजस्व वसूली की प्रक्रिया तेज करें सभी राजस्व अधिकारी : कलेक्टर

तहसीलदार नियमित रूप से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र का भ्रमण कर ग्रामवासियों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें

राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक संपन्न

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने शुक्रवार को राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित कर राजस्व प्रकरणों एवं वसूली की स्थिति की समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए एवं प्रशासनिक कार्यों की सुचारुता पर विशेष जोर दिया। कलेक्टर सुश्री मीना ने अनुभागीय अधिकारी (राजस्व) इटारसी को निर्देशित किया कि शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को छोटे-छोटे दैनिक लक्ष्यों में विभाजित कर उनकी प्राप्ति सुनिश्चित करें। नर्मदापुरम नगर की राजस्व वसूली पर असंतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट एवं तहसीलदार नगर को विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने एवं वसूली प्रक्रिया में तीव्रता लाने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों की राजस्व संबंधी जानकारी अद्यतन रखें। साथ ही, सभी अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे राजस्व वसूली के लिए अतिरिक्त क्षमता का निर्धारण करें। सिवनी मालवा अनुविभाग की समीक्षा के दौरान, तहसीलदार को अधिक मांग कायम कर वसूली प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि फील्ड पर अभियान चलाकर फार्मर रजिस्ट्री एवं आधार आरओआर प्रक्रिया में वृद्धि की जाए। कलेक्टर सुश्री मीना ने स्वामित्व योजना की समीक्षा करते हुए तहसीलदारों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों को शीघ्र अगले स्तर पर भेजा जाए और नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

बैठक में सीपीग्राम एवं सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा भी की गई, जिसमें कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। पीएम किसान सेल्फ रजिस्ट्रेशन के लंबित प्रकरणों को शीघ्र सत्यापित कर निष्पादन करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक के दौरान कलेक्टर सुश्री मीना ने कहा कि समस्त तहसीलदार अपने-अपने क्षेत्र में कानून एवं शांति व्यवस्था बेहतर रूप से निष्पादित करें।

उन्होंने निर्देश दिए कि तहसीलदार अपने क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाएं, नियमित रूप से ग्राम भ्रमण करें, दूरस्थ क्षेत्रों का दौरा करें एवं ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें।बैठक के दौरान आगामी रबी उपार्जन प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए की आगामी एक सप्ताह में उपार्जन केन्द्रों की सूची तैयार कर उपलब्ध करवाई जाए। इसी के साथ गोदाम सत्यापन का कार्य भी सुनिश्चित करें तथा तहसीलदार भी स्वयं उपस्थित होकर गोदाम का निरीक्षण करें।इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि मंत्रीगण, विधायकों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के प्रोटोकॉल का पूर्ण पालन किया जाए। कलेक्टर ने आगामी पर्वों एवं त्योहारों को ध्यान में रखते हुए समस्त एसडीएम को शांति समिति की बैठकें आयोजित करने के निर्देश भी दिए।

स्वास्थ्य विभाग को मनाना चाहिए जिला अस्पताल की वर्षगांठ

नर्मदापुरम (निप्र) । जिला अस्पताल को 124 वर्ष हो गए। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग को विशेष स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान शिविर या इसी तरह के कुछ अन्य सकारात्मक आयोजन करने चाहिए। अस्पताल की वर्षगांठ पर शहर के विभिन्न संगठनों को बुलाकर स्वास्थ्य से संबंधित जानकारियां देना चाहिए। लेकिन स्वास्थ्य विभाग के मुखिया को इस तरह के आयोजन की कोई रूचि नहीं रहती है। वह तो सिर्फ चेंबर या कलेक्ट्रेट के चक्कर काटने के अलावा स्वाथ्य विभाग की बेहतरी के लिए कोई विचार नहीं करते हैं। यदि शासन से कोई संदेश आ गया तो उससे संबंधित आयोजन कर दिए या कार्यशाला कर दी। मन से कोई आयोजन करने के पक्षधर नहीं रहते हैं।

सीएमएचओ की उदासीनता से नहीं होते सकारात्मक आयोजन

लोगों को मिल सकती है प्रेरणा

जिस प्रकार 124 वर्ष पूर्व शहर के उस समय के सामाजिक लोगों ने जनभागीदारी के तहत अस्पताल बनाने में अहम भूमिका निभाई थी उससे प्रेरणा लेकर अन्य समाजसेवी स्वास्थ्य से संबंधित कार्यों में रूचि ले सकते हैं। लेकिन विभागीय इच्छा शक्ति या प्रशासन में कोई अन्य अधिकारी अपनी रूचि दिखाए तो ऐसे रचनात्मक कार्य हो सकते हैं।

बड़े बकायदारों की सूची तैयार कर ठोस कार्य प्रणाली तैयार करें सभी राजस्व अधिकारी : श्री पोरवाल

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्य प्रदेश के प्रमुख सचिव (राजस्व) विवेक पोरवाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समस्त जिलों में राजस्व वसूली की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत अब तक की गई राजस्व प्राप्तियों की समीक्षा कर समस्त जिला कलेक्टरों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्री पोरवाल ने समीक्षा बैठक में निम्न राजस्व वसूली वाले 15 जिलों की कार्यप्रणाली पर असंतोष व्यक्त करते हुए निर्देश दिये कि आगामी दिनों में वसूली प्रक्रिया को और अधिक तेज किया जाए। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को पट्टों के नवीनीकरण हेतु विशेष अभियान संचालित करने के भी निर्देश दिए।प्रमुख सचिव ने कहा कि प्रत्येक जिले में अनुविभाग स्तर पर शेष बड़े बकायदारों की सूची तैयार कर एक ठोस कार्य योजना बनाई जाए, जिससे राजस्व वसूली में वृद्धि हो सके। उन्होंने कलेक्टरों को निर्देशित किया कि आगामी एक माह के भीतर वित्तीय सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाए। प्रमुख सचिव श्री पोरवाल ने कहा कि केवल लक्ष्य निर्धारण करने से वसूली प्रक्रिया तेज नहीं होगी, बल्कि इसके लिए सभी राजस्व अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप हो रही वसूली की सूक्ष्म निगरानी करना आवश्यक है।

अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी ने धारा 163 के तहत किए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला प्रशासन ने कलेक्टर कार्यालय परिसर में कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए सख्त प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी डी.के. सिंह द्वारा जारी इस आदेश में असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण रखने, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा जिले की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए आवश्यक प्रावधान किए गए हैं। कोई भी व्यक्ति अथवा संगठन यदि सामूहिक रूप से ज्ञापन सौंपना चाहता है, तो उसे पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। आवेदन पत्र में आयोजक तथा अधिकतम पाँच व्यक्तियों के नाम, पता एवं मोबाइल नंबर का स्पष्ट उल्लेख करना आवश्यक होगा। साथ ही, ज्ञापन सौंपने की तिथि एवं समय भी स्पष्ट रूप से दर्ज करना अनिवार्य है।अनुमति प्राप्त अधिकतम पाँच व्यक्तियों के अतिरिक्त किसी भी अन्य व्यक्ति का कलेक्टर कार्यालय परिसर में प्रवेश पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। साथ ही, बिना पूर्व सूचना के कोई भी सभा, जुलूस, रैली या प्रदर्शन आयोजित करने की अनुमति नहीं होगी। कोई भी व्यक्ति या संगठन सक्षम अधिकारी (अनुविभागीय दंडाधिकारी) की पूर्व अनुमति के बिना किसी भी प्रकार की रैली, जुलूस या वाहन रैली का आयोजन नहीं कर सकेगा।कलेक्टर कार्यालय परिसर में किसी भी प्रकार के घातक हथियार, लाठी-डंडा, पत्थर, बारूद, पटाखे, पेट्रोल अथवा अन्य ज्वलनशील पदार्थ लाने पर पूर्णत: रोक रहेगी।कलेक्टर कार्यालय परिसर में व्यावसायिक वाहनों (भारी वाहनों) के प्रवेश पर पूर्णत: प्रतिबंध रहेगा।यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163(1)(3) के तहत जारी किया गया है। आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति, संस्था या समूह पर संहिता की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह प्रतिबंध शासकीय आयोजनों, शासकीय सेवकों के कर्तव्यों के निर्वहन, पुलिस बल के सदस्यों तथा मजिस्ट्रेटों पर लागू नहीं होगा।

नशा मुक्त भारत अभियानः डॉ. मयंक तोमर ने जिम और फिटनेस सेंटरों का किया निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत, सामाजिक न्याय आयोग के अध्यक्ष डॉ. मयंक तोमर ने शहर के विभिन्न जिम और फिटनेस सेंटरों पर निरीक्षण किया। उन्होंने जिम जाने वाले लोगों से मुलाकात की और उन्हें नशे के खतरों के बारे में जागरूक किया।डॉ. तोमर ने

महाकाल फिटनेस सेंटर, आर.के. जिम, और के.जी.एफ. जिम सहित कई जिम और फिटनेस सेंटरों का दौरा किया। उन्होंने जिम संचालकों को निर्देश दिए कि वे अपने सदस्यों को नशे के खतरों के बारे में जागरूक करें और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें।डॉ. तोमर ने कहा कि "नशा मुक्त समाज बनाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें अपने युवाओं को नशे के खतरों के बारे में जागरूक करना होगा और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।"उन्होंने कहा कि सभी नशा मुक ?त समाज बनाने में मदद करें जो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का सपना है इसमें "माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के प्रयास नशा मुक्त समाज बनाने में सराहनीय हैं। हमें उनके प्रयासों को सफल बनाने के लिए एकजुट होना होगा।"

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, होशंगाबाद में ऋण वितरण और वसूली की समीक्षा बैठक संपन्न

नर्मदापुरम(निप्र) जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, होशंगाबाद में कलेक्टर और बैंक प्रशासक सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में ऋण वितरण, वसूली और अमानत के लक्ष्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त सहकारिता शिवम मिश्रा, बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय प्रकाश सिंह, बैंक मुख्यालय होशंगाबाद के अधिकारी, नोडल अधिकारी एवं होशंगाबाद एवं हरदा जिले के शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे बैठक में कलेक्टर एवं प्रशासक सुश्री मीना ने बैंक के ऋण वितरण, अमानत और वसूली के लक्ष्यों की शाखावार समीक्षा की। बैठक में उप आयुक्त सहकारिता शिवम मिश्रा ने बताया कि बैंक की कुल अमानतें 31 जनवरी 2024 की स्थिति पर 52738.96 लाख थीं, जो बढ़कर 31 जनवरी 2025 को 54886.21 लाख हो गईं, जिसमें राशि 2147.25 लाख रूपये की वृद्धि हुई है। इसी तरह, बैंक की ऋण वसूली 28 फरवरी 2024 की स्थिति पर 4411.07 लाख थी, जो 28 फरवरी 2025 की स्थिति पर बढ़कर 7014.86 लाख हो गई, जो गत वर्ष से 2603.79 लाख अधिक है। गतवर्ष 28 फरवरी 2024 की स्थिति पर रबी 2024 में कुल ऋण वितरण 8421.09 लाख जो इस वर्ष 28 फरवरी 2025 की स्थिति पर राशि रू. 7043.30 लाख का ऋण वितरण किया जा चुका है एवं ऋण वितरण की प्रक्रिया जारी है। कलेक्टर सुश्री मीना ने बड़े बकायादारों के प्रकरण आर.आर.सी. में दायर करने के निर्देश दिए। उन्होंने शाखा प्रबंधकों को ऋण वितरण, अमानत में वृद्धि करने और कृषि एवं अकृषि ऋणों की वसूली करने के निर्देश दिए।

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी की उल्लेखनीय उपलब्धि

आउटसोर्स ऑपरेटर श्याम सुंदर गौर के कौशल और प्रतिबद्धता से संभव हुई, 30 वर्ष पुराने पावर ट्रांसफार्मर की इन हाउस रिपेयरिंग

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) ने एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है, जब सिवनी-मालवा स्थित 132 के.व्ही. एक्स्ट्रा हाईटेंशन सबस्टेशन में लगभग 30 वर्ष पुराने पावर ट्रांसफार्मर की इन हाउस रिपेयरिंग और रिकंडिशिनिंग का काम सफलतापूर्वक पूरा किया गया।इस काम को संभव बनाने में आउटसोर्स ऑपरेटर श्याम सुंदर गौर की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिन्होंने अपने तकनीकी कौशल और प्रतिबद्धता का परिचय दिया। उन्होंने स्थानीय स्तर पर ही ट्रांसफार्मर की मरम्मत की और इस काम को पूरा करने के लिए आवश्यक संसाधनों का इंतजाम किया।सुधरने कंपनी जाता तो लग जाते कई महिने- क्षेत्र में हो सकती थी विद्युत आपूर्ति में दिक्कत दरअसल सिवनी-मालवा 132 के.व्ही. सबस्टेशन में स्थापित तीन दशक पुराने 40 एम.व्ही.ए. पावर ट्रांसफार्मर को मेजर ऑयल लीकेज के कारण सर्किट में रखना संभव नही हो पा रहा था। क्षेत्र में मूंग फसल के सीजन में बढ़ने वाले लोड़ के मद्देनजर अधीक्षण अभियंता आर.सी. शर्मा ने इस ट्रांसफार्मर की इन हाउस रिपेयरिंग एवं रिकंडिशिनिंग करने का निर्णय लिया, क्योंकि यदि इस ट्रांसफार्मर को रिपेयरिंग एवं रिकंडिशिनिंग के लिये ट्रांसफार्मर निर्माता कंपनी को भेजा जाता तो इसमें कई महिनों का समय लगता, साथ ही क्षेत्र में सिंचाई के लिए विद्युत पारेषण व्यवस्था में कठिनाई आ सकती थी। सबस्टेशन में ट्रांसफार्मर रिपेयरिंग में भी विभिन्न चुनौतियां थी, जिस जगह ट्रांसफार्मर स्थापित था। वहां क्रेन ले जाना संभव नही था, बिना बेलटेंक उठाये ट्रांसफार्मर के नीचे वाले ज्वांइटस से ऑयल लीकेज को बंद नही किया जा सकता था। रिपेयरिंग की कार्ययोजना बनाते समय स्वस्फूर्त आउटसोर्स ऑपरेटर श्याम सुंदर गौर ने क्रेन की सहायता के बिना अपने रूटिन कार्य के साथ ही इस विशिष्ट कार्य को भी पूरा करने की चुनौती स्वीकार की तथा अपनी ठोस रूप-रेखा प्रस्तुत की। अनुमति मिलते ही श्याम सुंदर गौर ने बेलटेंक को उठाने के लिये स्थानीय स्तर पर स्वंय के प्रयासों से 08 नग के ट्रैक्टर जेक का इंतजाम किया, ऑयल लीकेज रोकने वाली गैसकेट की सटीक कटिंग के लिये टाईल्स कटर मशीन का योजनाबद्ध व विवेक पूर्ण तरीके से उपयोग किया।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com